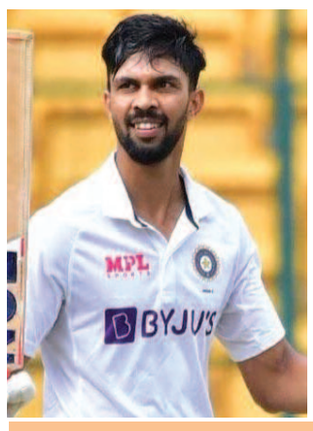

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

काउंटी चैपियनशिप, वनडे कप के लिए यॉर्कशर से जुड़ेंगे रूतुराज गायकवाड़ -पेज: 7

अल्लू अर्जुन की हीरोइन बनेंगी दीपिका पादुकोण -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 63 | बुधवार 11 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

मोदी सरकार के 11 साल में 71% योजनाएं हुई विफल : मल्लिकार्जुन खरगे का हमला

कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, जबकि कांग्रेस रिसर्च विभाग ने आंकड़ों के साथ कई दावों को गलत साबित करने की कोशिश की। मल्लिकार्जुन खरगे का हमला- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में भाजपा-आरएसएस ने हर संवैधानिक संस्था को कमजोर किया है और उनकी स्वायत्तता पर गहरा प्रहार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाज में नफरत, धमकी और डर का माहौल फैलाने की कोशिश की जा रही है। खरगे ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों का शोषण लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने मणिपुर की हिंसा को भाजपा की "प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा सबूत" बताया, जो अभी तक थमी नहीं है। खरगे ने अर्थव्यवस्था पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने देश को 5-6 प्रतिशत की जीडीपी विकास दर की आदत डाल दी है, जबकि यूपीए शासन के दौरान यह औसतन 8 % हुआ करती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं से करोड़ों नौकरियां छीनी गईं, महंगाई के कारण जनता की बचत 50 सालों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है, और आर्थिक असमानता 100 सालों में सबसे अधिक हो गई है। नोटबंदी, गलत जीएसटी , अनियोजित लॉकडाउन और असंगठित क्षेत्र पर 'हथौड़ा' चलाकर करोड़ों लोगों का भविष्य बर्बाद कर दिया गया। राहुल गांधी का निशाना- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी मोदी सरकार पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 11 साल न तो जवाबदेही के रहे हैं और न ही किसी ठोस बदलाव के उन्होंने कहा कि ये साल सिर्फ "प्रचार के रहे हैं।" राहुल गांधी ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार अब 2025 पर बात करना छोड़कर, 2047 के सपने बेच रही है। कांग्रेस रिसर्च विभाग का पलटवार- कांग्रेस रिसर्च विभाग के चेयरमैन प्रोफेसर राजीव गौड़ा और कांग्रेस नेता महिमा सिंह ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के दावों पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि नड्डा ने बड़े-बड़े दावे किए हैं, लेकिन उनके आंकड़े "बेहद कमजोर" हैं. प्रोफेसर गौड़ा ने उठाए सवाल- भूख की समस्याः प्रोफेसर गौड़ा ने कहा कि मोदी सरकार 81 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न मिलने पर खुशी जता रही है, जबकि हकीकत यह है कि देश में भूख की समस्या बेहद गंभीर है। दुनिया भूख सूचकांक में भारत 127 देशों में 105वें स्थान पर है। उन्होंने कुपोषण के कारण बच्चों की शारीरिक वृद्धि रुकने पर भी चिंता व्यक्त की। रक्षा क्षेत्रः रक्षा क्षेत्र में पांच हजार से अधिक वस्तुओं को स्वदेशीकरण सूची में जोड़ने के दावे पर गौड़ा ने कहा कि इस सूची में शामिल 40 प्रतिशत वस्तुओं का अभी तक स्वदेशीकरण नहीं हुआ है।

देशभर में भयंकर गर्मी से लोगों का हाल बेहाल, कब मिलेगी राहत?

नई दिल्ली (एजेंसी): देश भर में इन दिनों भयंकर गर्मी का प्रकोप जारी है। उत्तर भारत तो मानो बहुत जल रहा है, दिल्ली के तापमान की अगर बात करें तो राष्ट्रीय राजधानी में कल तापमान 40 डिग्री के भी पार चला गया। राष्ट्रीय राजधानी के अधिकतर हिस्सों में पारा 43 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली के सफदरजंग वेधशाला में तापमान 43.3 सेल्सियस, पालम में 44.3त्सेल्सियस, लोदी रोड में 43.3 सेल्सियस, रिज में 44.9 सेल्सियसऔर आयानगर में 45.3 सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली एनसीआर में कब होगी बारिश? वहीं आईएमडी ने मौसम को लेकर लेटेस्ट अपडेट जारी किया है। दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर लू जैसी स्थिति रहने की संभावना है, साथ ही आसमान साफ रहेगा। आगे भी मौसम की यही स्थिति बनी रह सकती है। राष्ट्रीय राजधानी में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है क्योंकि मौसम विभाग ने 11 जून को हल्की बारिश के साथ-साथ गरज के साथ छींटे और तेज हवाएं चलने की भविष्यवाणी की है जिससे मौसम गर्म और आर्द्र हो जाएगा। तापमान में आ सकती गिरावट गुरुवार के बाद, आईएमडी ने रविवार, 15 जून तक लू जैसी स्थिति न होने की भविष्यवाणी की है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने की पीएम मोदी से मुलाकात, कहा- केंद्र के सहयोग से हो रहा दिल्ली का विकास

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस बात की जानकारी रेखा गुप्ता ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर दी, इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पोस्ट कर इसकी जानकारी साझा की। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिल्ली में केंद्र सरकार की योजनाओं की प्रगति के बारे में अवगत कराया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया बताया जा रहा है कि इस मुलाकात में दिल्ली में हुए विकास कार्यों की प्रधानमंत्री ने सराहना की गई, जिनमें सेंट्रल विस्टा, भारत मंडपम, यशोभूमि, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, प्रधानमंत्री संग्रहालय, रैपिड रेल, टनल रोड और हाईवे नेटवर्क प्रमुख हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इन योजनाओं के दिल्लीवासियों पर पड़े सकारात्मक प्रभाव का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री से आत्मीय भेंट का सौभाग्य मिला। प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में दिल्ली वासियों की सेवा में जुट जाने की प्रेरणा मिलती है। केंद्र के सहयोग से किया जा रहा दिल्ली का विकास गौरतलब है कि मंगलवार को ही एक प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली का विकास किया जा रहा है। दिल्ली में आवागमन बेहतर बनाने के लिए सड़क परियोजनाएं शुरू की गई हैं। मेट्रो के लिए दिल्ली सरकार ने अपना शेयर नहीं दिया, केंद्र ने इसे आगे बढ़ाया। केंद्र ने मातृ वंदन योजना के तहत महिलाओं को लाभ दिया। तीन लाख उज्ज्वला कनेक्शन दिए। इसके साथ ही दिल्ली में 20 हजार मुद्रा योजना लोन और दो लाख स्ट्रीट वेंडर लोन दिए गए। सीएम ने कहा कि दिल्ली में 12 हजार किसानों को आर्थिक सहायता दी गई है। केंद्र के सहयोग से दिल्ली सरकार काम कर रही है। यमुना सफाई, जल सीवर सेवा, कूड़े का पहाड़ हटाने का काम हो रहा है।

प्रतिदिन दिन तीन डॉलर की आय सम्मान के साथ जीने के लिए पर्याप्त नहीं: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि सरकार भले ही अत्यधिक गरीबी के 5.3% हो जाने का जश्न मना रही है, लेकिन प्रतिदिन तीन डॉलर (करीब 250 रुपये) की आय सम्मान के साथ जीने के लिए पर्याप्त नहीं है। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह आरोप भी लगाया कि सरकार खुद को असहज करने वाले आकंड़ों को दरकिनार कर देती है। भारत की अत्यधिक गरीबी दर 2011-12 में 27.1 प्रतिशत से एक दशक में तेजी से घटकर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत रह गई। हालांकि, विश्व बैंक ने अपनी गरीबी रेखा की सीमा को संशोधित कर तीन डॉलर आय प्रतिदिन कर दिया है। खेड़ा ने ह्यएक्स' पर पोस्ट किया, "मोदी सरकार अत्यधिक गरीबी के गिरकर 5.3 प्रतिशत हो जाने का जश्न मना रही है। लेकिन यह प्रतिदिन तीन डॉलर (250 रुपये) की गरीबी रेखा पर आधारित है। यह भुखमरी से बचने के लिए पर्याप्त हो सकती है, लेकिन निश्चित रूप से सम्मान के साथ जीने के लिए पर्याप्त नहीं है।" उन्होंने कहा कि 11 साल के अंतराल के बाद किया गया 2022-23 उपभोग व्यय सर्वेक्षण, एक संशोधित पद्धति के साथ आया, जिसका संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार के समय आंकड़ों के साथ सीधी तुलना करना अनुकूल प्रतीत होता है, लेकिन सांख्यिकीय रूप से ऐसा नहीं है। खेड़ा ने दावा किया कि 2017-18 के सर्वेक्षण को दबा दिया गया और इस तरह संभवतः नोटबंदी और जीएसटी के नतीजों को छुपाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया की मोदी सरकार आधिकारिक गरीबी रेखा को परिभाषित करने के मुद्दे पर संसद से बचती रही और इससे संबंधित 15 से अधिक सवालों को उसने नजरअंदाज कर दिया। खेड़ा ने कहा, 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का सरकार का दावा हेरफेर किए गए एक सूचकांक पर आधारित है। उनका कहना है, "सीएमआईई डेटा से पता चलता है कि 62.1 करोड़ भारतीय (44) अब भी गरीबी में जीवन जी रहे हैं।'

बांग्लादेश बन सकता युद्ध का मैदान ! देश की संप्रभुता और लोकतंत्र पर मंडरा रहा खतरा

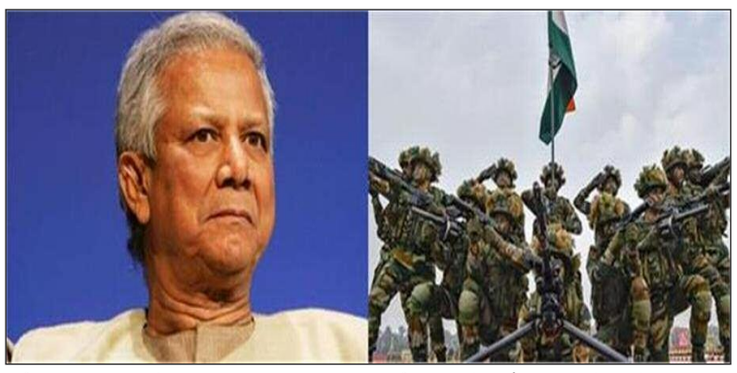

नई दिल्ली (एजेंसी): बांग्लादेश के इतिहास में अब तक अंतरिम सरकारों का एक ही मकसद रहा है देश में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनावों का आयोजन कराना। लेकिन मौजूदा अंतरिम सरकार, जिसका नेतृत्व मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं, इस सिद्धांत से काफी दूर नजर आ रही है।यह सरकार न तो चुनी गई है और न ही इसके पास जनता का कोई सीधा जनादेश है। इसके बावजूद, यूनुस सरकार ने ऐसे कई फैसले लिए हैं, जिनसे देश की संप्रभुता, अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र पर खतरा मंडराने लगा है। पहला विवादास्पद फैसलाः म्यांमार में मानवीय कॉरिडोर का निर्माण यूनुस सरकार ने म्यांमार के रखाइन राज्य में एक मानवीय गलियारे की शुरूआत की है। इस गलियारे के जरिये बांग्लादेश ने म्यांमार के आंतरिक संघर्षों में सीधी दखलंदाजी शुरू कर दी है। इससे बांग्लादेश खुद को अराकान आर्मी, विदेशी खुफिया एजेंसियों और म्यांमार की सैन्य सत्ता के जाल में उलझा बैठा है।इस फैसले को अमेरिका का समर्थन मिला, लेकिन इसके चलते चीन और भारत के साथ रिश्तों में तनाव बढ़ गया। यूनुस ने इस गलियारे की तुलना गाजा के मानवीय गलियारे से की, लेकिन गाजा में संयुक्त राष्ट्र की निगरानी होती है, जबकि म्यांमार में स्थिति बेहद अस्थिर और बेकाबू है।यह गलियारा चटगांव और कॉक्स बाजार के रास्ते बन रहा है, जो पहले से ही अमेरिका, चीन और भारत की रणनीतिक निगाह में हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, कॉक्स बाजार एयरपोर्ट को अमेरिका गुप्त रूप से अराकान आर्मी की मदद के लिए इस्तेमाल कर रहा है। अराकान आर्मी म्यांमार सरकार के खिलाफ हिंसक संघर्ष में लगी हुई है, जो एक बड़े क्षेत्रीय संकट का कारण बन सकता है। दूसरा विवादास्पद फैसलाः चटगांव बंदरगाह की विदेशी कंपनी को लीज पर देना यूनुस सरकार ने राष्ट्रीय राजस्व आयोग को खत्म कर दिया और साथ ही चटगांव बंदरगाह का सबसे अहम हिस्सा डीपी वर्ल्ड नामक विदेशी कंपनी को मुनाफे के लिए लीज पर दे दिया ।यह नया कंटेनर टर्मिनल (एनसीटी), जो 144 मिलियन यूरो की सरकारी राशि से बना अब बांग्लादेश के हाथों से निकलकर एक विदेशी कंपनी के नियंत्रण में चला गया। यह टर्मिनल बंदरगाह की 60% से अधिक कमाई करता है और पहले बिना किसी बाहरी दखल के अच्छी तरह काम कर रहा था। इस सौदे से जहां आर्थिक लाभ विदेशी हाथों में चला गया वहीं राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा पैदा हो गया है क्योंकि यह बंदरगाह रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण इलाकों के पास स्थित है।और सबसे चिंताजनक बात 7,000 से ज्यादा बांग्लादेशी बंदरगाह कर्मियों की नौकरियां चली गईं। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने अब तक ऐसे फैसले लिए हैं

केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे, सीएम सैनी बोले- पीएम मोदी के नेतृत्व में हुआ चौतरफा विकास

चंडीगढ़ (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के मौके पर सीएम सैनी पंचकूला स्थित बीजेपी के प्रदेश दफ्तर में महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। सीएम सैनी ने कहा कि 2014 से पहले लोगों को मीडिया से देश में हो रहे बड़े-बड़े घोटाले की खबरें मिलती थी। देश में भय, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद हावी था। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने पारदर्शी और दूरदर्शी सरकार का अनुभव किया है। केंद्र में मिनिमम गवर्नमेंट और मैक्सिमम गवेर्नेंस के फॉमूर्ले पर सरकार चल रही। उन्होंने कहा कि विगत 11 वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान में इतिहास रचा है। चंद्रयान 3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव को सफलतापूर्वक उतारने वाले भारत दुनिया का पहला देश बना है। 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें नंबर पर थी और हिचकोले खा रही थी। विगत 11 वर्षों में आज भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि 2023-24 में भारत का कुल निर्यात 825 बिलियन डॉलर हो गया। 2024 के मुकाबले भारत का रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़ा है। बीते 10 वित्तीय वर्षो में भारत में 668 बिलियन डॉलर का एफडीआई आया है। 323 बिलियन डॉलर का एफडीआई यूपीए सरकार के दौरान आया। नोटबंदी के जरिए कालेधन पर कड़ा प्रहार नायब सैनी ने कहा कि पीएम मोदी की सरकार में नोटबंदी के जरिए कालेधन पर कड़ा प्रहार किया गया। आज पूरी दुनिया इंडिया के डिजिटल पेमेंट सिस्टम की प्रशंसा कर रही और उसको फॉलो भी कर रही। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने कोरोना के दौरान वैक्सीन के जरिए दुनिया की मदद की। धारा 370 और 35ए को हटाकर अखंड भारत का सपना साकार किया गया। दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज का उद्घाटन कर कश्मीर को शेष भारत से जोड़ा गया। लद्दाख को केंद्र शासित बनाने से वहां विकास के नए द्वार खुले। पीएम मोदी के नेतृत्व में 500 सालों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ।

'जब भाजपा सरदार पटेल की जयंती मनाती है, तब विपक्ष जिन्ना का गुणगान गाती है : सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के बहराइच में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर विपक्ष पर कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव को वह सम्मान नहीं मिला जिसकी वे हकदार थे।

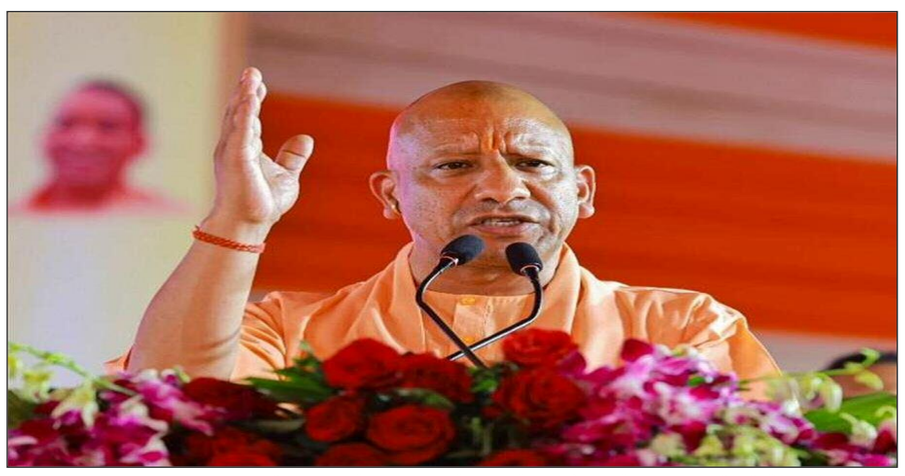

लाखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के बहराइच में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर विपक्ष पर कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव को वह सम्मान नहीं मिला जिसकी वे हकदार थे। डबल इंजन की भाजपा सरकार ने संकल्प लिया था कि महाराजा सुहेलदेव की विरासत को सम्मान मिलेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास नीति को आगे बढ़ाते हुए उनकी प्रतिमा का अनावरण किया जा रहा है। महाराजा सुहेलदेव की स्मृति को सम्मान सीएम ने बताया कि बहराइच के मेडिकल कॉलेज का नाम भी महाराजा सुहेलदेव के नाम पर रखा गया है, साथ ही आजमगढ़ के विश्वविद्यालय का नाम भी उनके नाम पर रखा गया है। यह कार्यक्रम महापुरुषों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन बंद होना चाहिए और देश के राष्ट्र नायकों का सम्मान होना चाहिए। 1000 साल पहले महाराजा सुहेलदेव ने विदेशी आक्रांता महमूद गजनी को रोका था। उस समय गजनी 3 लाख सैनिकों के साथ भारत पर हमला करने आया था। महाराजा सुहेलदेव की बहादुरी सीएम ने बताया कि महाराजा सुहेलदेव ने अपनी कूटनीति और शौर्य के बल पर महमूद गजनी की सेना को मथुरा से लेकर बहराइच तक हराया। आक्रांता की सेना आधी तक खत्म हो चुकी थी, जब वे महाराजा के सामने पहुंचे। महाराजा ने 20 से 25 हजार सैनिकों के साथ गजनी की सेना को पूरी तरह पराजित किया। साथ ही, सालार मसूद को भी पकड़कर उसकी सजा दी गई, जो इस्लाम के अनुसार जहन्नुम की सजा मानी जाती है। विपक्ष पर निशाना सीएम योगी ने कहा कि इतिहास में महाराजा सुहेलदेव के साथ नाइंसाफी हुई है, लेकिन अब डबल इंजन सरकार इस नाइंसाफी को खत्म करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने वोट बैंक की राजनीति के चलते महाराजा सुहेलदेव को उचित सम्मान नहीं दिया। ये पार्टियां विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ बोलने से भी डरती थीं ताकि उनका मुस्लिम वोट बैंक न प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि जो लोग जिन्ना का महिमामंडन करते हैं, वे महाराजा सुहेलदेव जैसे महान योद्धाओं को नीचा दिखाते हैं। जब भाजपा सरदार पटेल की जयंती मनाती है, तब समाजवादी पार्टी जिन्ना का गुणगान करती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने खुशी जताई कि गाजी मियां के नाम पर होने वाले आयोजनों को बंद करा दिया गया है। सीएम योगी ने विपक्ष पर अयोध्या में राम मंदिर का विरोध करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन चुका है और राजा राम का दरबार भी वहीं सजा है। उन्होंने बताया कि बिजली पासी जैसे शूरवीरों के नाम पर स्मारक बनाए जाएंगे और 1857 की क्रांति की वीरांगनाओं को भी सम्मान मिलेगा जिन्होंने अंग्रेजों को मात दी थी।

संपादकीय

कब बुझेगी आग

मणिपुर में इम्फाल जिले के क्वाकेथेल सिंगजामेई में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई। तुलिहाल के उप-विभागीय कलेक्टर कार्यालय को जलाये जाने से सरकारी रिकॉर्ड नष्ट हुए और इमारत को भी नुकसान हुआ। मैतई संगठन अरम्बाई तेंगोल के नेता कानन सिंह समेत चार की गिरफ्तारी का बाद निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए रात भर मशाल जुलूस निकाला। महिला समूहों ने भी इस प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों की आवाजाही में अवरोधक बनाए, सड़कों पर मिट्टी के ढेर लगा दिए और जगह-जगह टायरों को जलाया। हिंसक होते प्रदर्शन को रोकने के लिए इम्फाल पश्चिम व पूर्व, थौबल, बिष्णुपुर, काकचिंग जिलों में निषेधाज्ञा लागू कर इंटरनेट सेवाएं निर्लंबित कर दी गई। मई 2023 से मैतई और कुकी के दरम्यान चलल रही जातीय हिंसा में ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। राज्य विधानसभा के निलंबन के बाद से 13 फरवरी से राज्य में राष्ट्रपति शासन के अधीन है। स्थानीय जनता तत्काल सरकार के गठन की मांग कर रही है। सीबीआई विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता के चलते गिरफ्तारियां भी कर रही है। केंद्र द्वारा जून 2023 में तीन सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था। उसी साल अगस्त में सबसे बड़ी अदालत ने राज्य की संवैधानिक मशीनरी के पूरी तरह ध्वस्त होने की बात भी की थी। बावजूद इसके केंद्र सरकार का रवैया मणिपुर को लेकर बेहद शर्मनाक है। बेघर हो रही स्थानीय जनता आस-पास के राज्यों में पलायन करे मजबूर है। रोजगार संकट बढ़ता ही जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था चरमारा चुकी है। कुकी और मैतई संघर्ष नया नहीं है मगर उसे सुलझाने या शांत करने में केंद्र को जैसी महती भूमिका निभानी चाहिए। उसके प्रति वह उपेक्षा भाव अपनाए है। पूर्वोत्तर राज्यों का यह आरोप है कि उनको समुचित सम्मान नहीं दिया जाता और हमेशा उनके साथ पक्षपात भरा बर्ताव होता है। केंद्रीय गृहमंत्री के दौरे के बावजूद उम्मीद की जा रही थी कि प्रधानमंत्री वहां का दौरा करें मगर विपक्ष के लगातार कटाक्ष के बावजूद नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर की अशांति पर कभी विचार तक नहीं प्रकट किए। प्रदेशवासियों की संवेदनाओं का ख्याल रखते हुए शांति बहाली के प्रति कड़े कदम उठाने चाहिए। देश की अखंडता के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही गलत संदेश दे सकती है। जरूरी है, केंद्र को अपने रवैये में लचीलापन लाते हुए दूरदर्शितापूर्ण नजर आना होगा।

चिंतन-मनन

जीवन का बड़ा सबक

पं. रामनाथ एक छोटी-सी जगह गुरुकुल में छात्रों को पढ़ाते थे। कृष्णनगर के राजा शिवचंद्र को यह पता लगा तो उन्हें बहुत दुख हुआ कि ऐसा महान विद्वान भी गरीबी में रह रहा है। एक दिन वह स्वयं पंडितजी से मिलने उनकी कुटिया में जा पहुंचे और बोले-पंडित जी, मैं आपकी कुछ सहायता करना चाहता हूं। पं. रामनाथ ने कहा-राजन, भगवान की कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं। मुझे अब कोई आवश्यकता नहीं रही। राजा बोले-मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। हो सकता है उसमें कुछ परेशानी होती हो। उन्हें जवाब मिला-इस बारे में तो गृहस्वामिनी अधिक जानती हैं। आप उन्हीं से पूछ लें।

यह सुनकर राजा गृहिणी के पास जा पहुंचे-माता, आपके घर के खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं? गृहिणी का जवाब था- भला सर्व-समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तिं को क्या कमी रह सकती है। पहनने को कपड़े हैं। सोने को बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। भोजन की खातिर विद्यार्थी सीधा ले आते हैं। बाहर खड़ी चौलाई का साग हो जाता है। इससे अधिक की जरूरत भी क्या है? राजा श्रद्धावनत हो गए, फिर भी बोले-हम चाहते हैं कि आपको कुछ गांवों की जागीर प्रदान करें। इससे आपको भी अभाव नहीं रहेगा और गुरुकुल भी ठीक से चलता रहेगा।

राजा की यह बात सुनकर वृद्ध गृहिणी मुस्कराई-देखिए राजन, इस संसार में परमात्मा ने हर मनुष्य को जीवन रूपी जागीर पहले से दे रखी है। जो इसे अच्छी तरह से संभालना सीख लेता है, उसे फिर किसी चीज का अभाव नहीं रह जाता। यह सुनकर राजा शिवचंद्र का मस्तक झुक गया। आज उन्हें एक बड़ा सबक मिल गया था।

प्रवेश सम्बंधी आवश्यक सूचना

राजकीय महाविद्यालय, गंगेश्वरी, अमरोहा में प्रवेश हेतु छात्र / छात्राओं को सूचित किया जाता है कि सत्र 2025-26 में जो छात्र एडमिशन लेना चाहते है वे छात्र गुरूजम्भेश्वर विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन दिनांक 20.06.2025 तक ऑनलाइन कर सकते है तथा रजिस्ट्रेशन की हार्ड कापी महाविद्यालय में दिनांक 21.06.2025 तक महाविद्यालय में जमा करना अनिवार्य है जिन छात्रों ने रजिस्ट्रेशन की हार्डकापी महाविद्यालय में जमा नही की वे छात्र एडमिशन से वंचित रह सकते है अतः हार्डकापी महाविद्यालय में जमा करना अनिवार्य है।

विश्वविद्यालय वेवसाइट - gjum.samarth.ac.in

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बच्चों के खेलने से उनका शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक विकास तेजी से होता है

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत की संस्कृति और सभ्यता जिसमें बच्चों के पारंपरिक खेलों को भी शामिल किया गया है, को हजारों लाखों वर्षों पुरानी होने की बातें प्रिंट मीडिया में चलती रहती है, स्वाभाविक रूप से गिली-डंडा खो-खो, लंगडी, कांचे सहित अनेकों पारंपरिक खेल जो हमने अपने बचपन में खेले थे,वे कई पीढियां से चलते आ रहे हैं,जो आदि अनादि काल का ही होंगे। परंतु आज इनका वजूद शायद मिटने की ओर, यानें विलुप्तता की ओर बढ़ चला है, हालांकि कबड्डी व खो-खो को कुछ हद तक प्रतिसाद मिलते रहते हैं परंतु बाकी खेलों को शायद नहीं मिलता। मेरा मानना है कि जब हमारे माननीय पीएम व गृहमंत्री, आज जब मेडिकल से लेकर इंजीनियरिंग तक पढ़ाई मातृभाषाओं में लागू कर दिया है जिसका उल्लेख माननीय गृहमंत्री ने 9 जून 2025 को तमिलनाडु में एक संबोधन में भी किया। बोलचाल, उनकी लिपियों को संरक्षित रखने की शानदार शुरूआत कर चुके हैं तो, मेरी इस आर्टिकल के माध्यम से अपील है कि अनेकों पौराणिक खेलों की सूची बनाकर उनमें से उचित खेलों को राष्ट्रीय परिपेक्ष में कन्वर्ट करने का संज्ञान लेना समय की मांग है। वर्तमान डिजिटल युग में हम अपनी परंपराओं पौराणिक खेलो सभ्यता की विलुप्तता महसूस कर रहे हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि पूरी दुनियाँ 11 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मना रही है, यह दिवस दुनिया भर में बच्चों के उज्वल भविष्य की नींव रखने का प्रतीक है,क्योंकि खेल केवल मनोरंजन नहीं होता, बल्कि यह बच्चों को सहयोग,नेतृत्व,समस्या समाधान और रचनात्मकता जैसे जीवन के आवश्यक कौशल सिखाता है।तकनीक के बढ़ते प्रभाव और पढ़ाई के बढ़ते दबाव के कारण बच्चों का खेल समय सीमित होता जा रहा है। ऐसे में यह दिन सभी को याद दिलाता है कि खेल बच्चों के समग्र विकास के लिए उतना ही जरूरी है जितना कि शिक्षा। बच्चों को खेलने के लिए प्रोत्साहन देने उनको सुरक्षित करने इन खेलों का लाभ देने के लिए मनाया जाता है,जिससे बच्चों को शारीरिक मानसिक सामाजिक विकास पूरी गति के साथ हो सके इन पुराने खेलों को सुरक्षित कर उन्हें बढ़ावा देने के लिए एक सरकारी प्लेटफार्म बनाया जाए ताकि उनका लाभ बच्चों को दिया जा सके इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, बच्चों के खेलने से उनके शारीरिक मानसिक तथा सामाजिक विकास में तेजी से बढ़ावा होता है।

साथियों बात अगर हम बच्चों के जीवन में खेलों के महत्व की करें तो,अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस हर वर्ष 11 जून को मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों के खेल के महत्व को उजागर करने और उनके शारीरिक,मानसिक तथा सामाजिक विकास में खेल की भूमिका को पहचानने के उद्देश्य से मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिन बच्चों को उनके बचपन का मूल अधिकार, खेल सुनिश्चित करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।खेल एक बेहतर दुनिया बनाता है।11 जून 2025 को मनाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस, खेल को संरक्षित करने, बढ़ावा देने और प्राथमिकता देने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, ताकि सभी लोग, विशेष रूप से बच्चे, इसके लाभों का लाभ उठा सकें और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें।महज मनोरंजन से परे, खेल सभी उम्र के लोगों द्वारा बोली जाने वाली एक सार्व भौमिक भाषा है, जो राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और सामाजिक- आर्थिक सीमाओं से परे है। यह साझा जुनून समुदाय और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देता है।यह व्यक्तियों में लचीलापन, रचनात्मकता और नवाचार को भी बढ़ावा देता है। विशेष रूप से बच्चों के लिए, खेल संबंध बनाने और नियंत्रण में सुधार करने, आघात से उबरने और समस्या- समाधान में मदद करता है। यह बच्चों को संज्ञानात्मक,शारीरिक, रचनात्मक, सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने में मदद करता है, जिनकी उन्हें तेजी से बदलती दुनिया में पनपने के लिए आवश्यकता होती है।खेलने के अवसरों को सीमित करना सीधे तौर पर बच्चे की भलाई और विकास में बाधा डालता है। शैक्षिक सेटिंग्स में, खेल-आधारित शिक्षा को छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए एक प्रभावी दृष्टिकोण के रूप में मान्यता दी गई है। यह सीखने को अधिक आनंददायक और प्रासंगिक बनाने में मदद करता है, जिससे प्रेरणा और जानकारी को बनाए रखने में वृद्धि होती है।इसके अलावा, खेल को सहिष्णुता, लचीलापन को बढ़ावा देने और सामाजिक समावेशन ,संघर्ष की रोकथाम और शांति निर्माण को सुविधाजनक बनाने पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाला माना जाता है । इसे मान्यता देते हुए, बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन ने अनुच्छेद 31 के तहत खेल को हर बच्चे के मौलिक अधिकार के रूप में सुनिश्चित किया है ।यह अंतर्राष्ट्रीय दिवस वैश्विक, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर खेल के महत्व को बढ़ाने के लिए एक एकीकृत क्षण बनाता है। यह दुनिया भर में शिक्षा और सामुदायिक सेटिंग्स में खेल को एकीकृत करने के लिए नीतियों, प्रशिक्षण और वित्तपोषण के लिए आह्वान करता है।

साथियों बात अगर हम खेलों का बच्चों के जीवन में अतिमहत्वपूर्ण स्थान होने की करें तो, बच्चे खेल के माध्यम से सबसे अच्छा सीखतेहैं।खेल विकासके सभी क्षेत्रोंबौद्धिक सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक - में शक्तिशाली सीखने के अवसर पैदा करते हैं। खेल के माध्यम से, बच्चे दूसरों के साथ संबंध बनाना, नेतृत्व कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करना, लचीलापन विकसित करना, रिश्तों और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना और साथ ही अपने डर पर विजय प्राप्त करना सीखते हैं। जब बच्चे खेलते हैं, तो वे सुरक्षित महसूस करते हैं। बच्चे अपने आस-पास की दुनिया को समझने के लिए खेलते हैं।आम तौर पर,खेल बच्चों को कल्पना और रचनात्मकता को व्यक्त करने और विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जो कि प्रौद्योगिकी-संचालित और अभिनव दुनिया के लिए महत्वपूर्ण कौशल हैं जिसमें हम रहते हैं।चंचल बातचीत माता-पिता, देखभाल करने वालों और बच्चों के कल्याण और सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य में योगदान देती है। जब मानवीय संकट बच्चे की दुनिया को उलट-पुलट कर देते हैं, तो खेल के जरिए ही बच्चे प्रतिकूल अनुभव से सुरक्षा और राहत पा सकते हैं, साथ ही दुनिया के साथ अपने अनुभवों का पता लगाने और उन्हें संसाधित करने में भी सक्षम हो सकते हैं। जब बच्चों को युद्ध, संघर्ष और विस्थापन के कारण उनके घरों से निकाल दिया जाता है, तो माता-पिता/देखभाल करने वालों और साथियों के साथ पोषण संबंधों तक पहुँच हिंसा, संकट और अन्य प्रतिकूल अनुभवों के प्रभावों से महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच होती है। खेल बच्चों को आराम और सुकून देते हैं।माता-पिता/देखभालकताओं और बच्चों के बीच खेलपूर्ण बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए, सरकारों और अन्य हितधारकों को एक अनुकूल वातावरण बनाने की आवश्यकता है। साथियों बात अगर हम खेलों का महत्व व 2025 की थीम की करें तो, विज्ञानसतह पर, खेल ऐसा लग सकता है कि यह केवल मनोरंजन के लिए है, लेकिन शिशुओं और नन्हे बच्चों के लिए यह उससे कहीं ज्यादा है।

मोदी के 11 वर्षः जुमलों से हमलों तक

डॉ. घनश्याम बादल

वैसे तो नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 26 मई 2025 को 11 साल पूरे कर लिए थे, लेकिन अपने तीसरे कार्यकाल की शपथ उन्होंने 9 जून 2024 को ली इसलिए उनके तीसरे कार्यकाल की सरकार की वर्षगांठ 9 जून 2025 को मनाई गई। यदि कार्यकाल की दृष्टि से देखें तो नरेंद्र दामोदर दास मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने जाने वाले दूसरे प्रधानमंत्री हैं। वहीं कार्यकाल की दृष्टि से वें तीसरे स्थान पर हैं और उनसे ऊपर केवल जवाहरलाल नेहरू एवं इंदिरा गांधी का कार्यकाल रहा है। वर्तमान परिस्थितियों के हिसाब से मोदी अपना तीसरा कार्यकाल भी सफलतापूर्वक पूरा करते दिखाई देते हैं तब वह कार्यकाल की दृष्टि से अपने इसी कार्यकाल में दूसरे स्थान पर आ जाएंगे। यदि मोदी का एक प्रधानमंत्री की दृष्टि से एक विवेचन किया जाए तो प्रधानमंत्री एवं सरकार के मुखिया के रूप में उनकी खूबियां और खामियां दोनों ही सामने आती हैं। 26 मई 2014 को पहली बार सांसद चुने जाने के बाद ही वे प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए जैसे पहली बार विधायक चुने जाने के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। अपने विशिष्ट अंदाज में उन्होंने संसद भवन की ड्योढ़ी पर माथा टेककर संसद में प्रवेश किया तो भावुक देश को बहुत आशाएं जगी थी। अपने पहले भाषण में भी मोदी ने देश को चुनाव में 'अच्छे दिनों' के वादे को पूरा करने का विश्वास दिलाया। साथ ही 'सबका साथ सबका विकास' का नारा देकर सारी राजनीतिक का कटुता भुलाकर देश के सवार्गीण विकास की बात की और खुद को प्रधानमंत्री के बजाय 'प्रधान सेवक' की संज्ञा दी तथा कहा कि वह एक शासक नहीं बल्कि 'चौकीदार' के रूप में देश के हितों की रक्षा करेंगे। मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में निराश ही नहीं किया और एक से बढ़कर एक अभिनव योजनाएं देश के सामने रखीं, जिनमें जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, अटल पेंशन योजना, महिला कल्याण व स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्होंने आम आदमी का दिल जीत लिया। अपने इस कार्यकाल में उन्होंने नोटबंदी तथा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने जैसे कड़े निर्णय देकर दिखाया कि अपने संकल्प के पक्के हैं। उनकी राजनीतिक चतुराई के आगे विपक्षी पूरे कार्यकाल में एक संभ्रम की स्थिति में रहे और राहुल गांधी को तो उन्होंने इस तरह निशाने पर रखा कि वे कभी भी खुद को उनके प्रतिद्वंद्वी साबित नहीं कर पाए। और बचकाने शब्दों 'चौकीदार ही चोर है' या 'खून का सौदागर' कहकर राहुल और उनकी मां सोनिया दोनों फंसे रहे। ऐसा नहीं कि मोदी का यह कार्यकाल एकदम सफल ही रहा उसमें विपक्ष को आलोचना का भी पूरा मौका मिला। उनके 'अच्छे दिन' और 15 लाख रुपये हर भारतीय के खाते में आने की खूब मजाक बनी जिसे बाद में अमित शाह ने एक 'चुनावी जुमला' करार देकर जान छुड़ाई। उनका नोटबंदी से कालाधन व आतंकवाद नियंत्रण का पासा भी उल्टा पड़ा। 2019 में जब लोक सभा चुनाव की घोषणा की गई राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान था कि आएंगे तो मोदी ही पर उनकी चमक और धमक दोनों कम होगी, लेकिन 'मोदी है तो मुमकिन है' और 'इस बार 300 पार' का नारा खूब चला और भारतीय जनता पार्टी को पहली बार अपने ही बलबूते पर बहुमत मिला। एनडीए की 353 सीटों उसका हिस्सा 303 पर पहुंच गया जो एक बड़ी उपलब्धि थी। अपने दूसरे कार्यकाल में मोदी का आत्मविश्वास आसमान छूता नजर आया। धारा 370 हटा दी गई, राम मंदिर का शिलापूजन हो गया, नागरिकता कानून संशोधन पास हो गया, पुलवामा में हुए हमले के बाद उन्होंने एक बार फिर पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक करने का साहस दिखाया, कृषि कानून, कोविड वैक्सीन मुफ्त राशन, मोबाइल अस्पताल और ताली थाली दीप आदि ने मोदी की लोकप्रियता को और भी बढ़ाया, लेकिन कोविड की दूसरी लहर में सारी व्यवस्था चरमरा गई लाखों मौत हुई, वैक्सीन बनाने में मानकों की अनदेखी महंगी पड़ी जो आज तक संदेह पैदा करती है। कृषि कानून, पर उन्हें यू टर्न लेना पड़ा बेरोजगारी व महंगाई बेकाबू हो गई दूसरे कार्यकाल में सरकार ने सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स जैसी संस्थाओं का इस्तेमाल विपक्षियों

को घेरने और कुचलने में किया। उन पर बड़बोलेपन का आरोप तो खैर अब तक लगता है। 2024 के चुनाव में भी मोदी 'वन मैन आर्मी' की तरह लड़े और तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भाजपा को सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में वापस लाने में कामयाब रहे भले ही सीटों की संख्या 303 से गिरकर केवल 240 रह गई। पहलगाम हमले के बाद जिस तरह का स्टैंड उन्होंने लिया उसकी उम्मीद पाकिस्तान को भी नहीं थी। दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने पाकिस्तान को गहरी चोट और सबक दिए हैं। हालांकि एकाएक किए गए युद्ध विराम ने मोदी सरकार को को सवालों ने घेर लिया है। राजनीति बहुत सारी करवटें लेगी। यह तो समय ही बताएगा कि 75 साल के होने जा रहे मोदी आदशरे के नाम पर संन्यास ले लेंगे या फिर कोई नया जुमला उछाल कर अपनी सर्वोच्चता बरकरार रखेंगे।

भारतीय अध्यात्म जगत के महासूर्य हैं कबीर

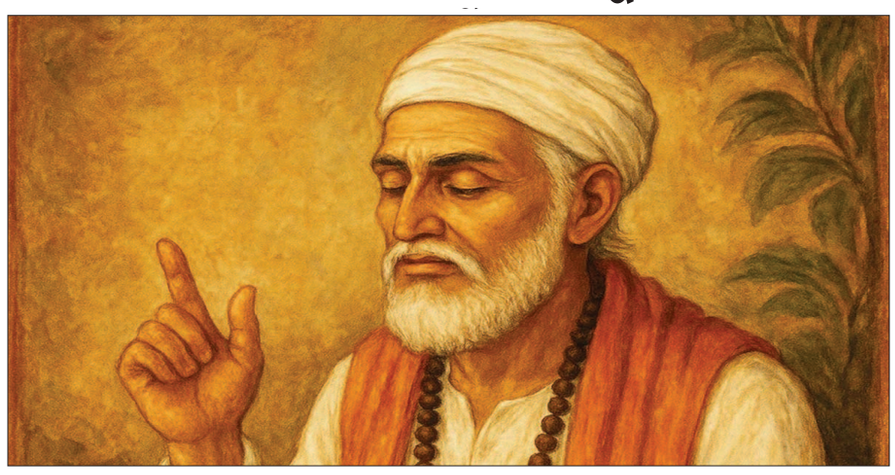

भारतीय संत परम्परा और संत-साहित्य में संत कबीर एक महान् हस्ताक्षर, समाज-सुधारक, अध्यात्म की सुदृढ़ परम्परा के संवाहक एवं अनूठे संत हैं। जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अधंकारमय था, एक तरफ मुसलमान शासकों की धर्मांधता से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी और दूसरी तरफ हिंदूओं के कर्मकांडों, विधानों एवं पाखंडों से धर्म-बल का ह्रास हो रहा था, तब संत कबीर एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। कबीर ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में कबीर ने धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए कबीर ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना कबीर के काल में, कबीर के ही हाथों हुई। शायद तभी कबीर कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्रष्टा कहलाए।

महात्मा कबीर सत्व, रज, तम तीनों गुणों को छोड़कर त्रिगुणातीत बन गये थे। उन्होंने निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। उन्होंने इस निर्गुणी चदरिया को ओढ़ा है। उन्हें जो दृष्टि प्राप्त हुई है, उसमें अतीत और वर्तमान का वियोग नहीं है, योग है। उन्हें जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं है, मुक्त है। उन्हें जो साधना मिली, वह सत्य की पूजा नहीं करती, शल्य-चिकित्सा करती है। सत्य की निरंकुश जिज्ञासा ही उनका जीवन-धर्म रहा है। वही उनका संतत्व रहा, वही उनकी साधना का अभिन्न अंग रहा। वे उसे चादर की भाँति ओढ़े हुए नहीं हैं बल्कि वह बीज की भाँति उनके अंतस्तल से अंकुरित होता रहा है। कबीर ने सगुण-साकार भक्ति पर जोर दिया है, जिसमें निर्गुण निहित है।

हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो -सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि कबीर में थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना कबीर के विश्व मानव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक है। उन्होंने मन, चेतना, दंड, भय, सुख और मुक्ति जैसे सूक्ष्म विषयों पर भी किसी गंभीर मनोवैज्ञानिक की तरह विचार किया था और व्यक्ति को अध्यात्म की एकाकी यात्रा का मार्ग सुझाया था। कबीर ने लोगों को एक नई राह दिखाई। घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। वे संसार से भागे नहीं, बल्कि संसार में रहकर सादगी को, संतता को साधा। इसीलिये कबीर एक सामान्य मनुष्य के लिये आशा का द्वार है।

संत कबीर का जन्म लहरतारा के पास जेठ पूर्णिमा को हुआ था। उनके पिता नीरू नाम के जुलाहे थे। 119 वर्ष की आयु में उन्होंने मगहर में अपना देह त्यागा। कुछ लोगों का कहना है कि वे जन्म से मुसलमान थे और युवा अवस्था में स्वामी रामानंद के प्रभाव से उन्होंने हिन्दू धर्म की विशेषताओं को स्वीकारा। कबीर ने हिन्दु, मुसलमान का भेद मिटाकर हिन्दू भक्तों तथा मुसलमान फकीरों के साथ सत्संग किया और दोनों की अच्छी बातों को आत्मसात किया। उनके जीवन में कुरान और वेद ऐसे एकाकार हो गये कि कोई भेदरेखा भी नहीं रही। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे पर उनकी बोली बातों को उनके अनुयायियों ने लिपिबद्ध किया जो लगभग 80 ग्रंथों के रूप में उपलब्ध है। कबीर ने भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश दिया है। उनके प्रेरक एवं जीवन निर्माणकारी उपदेश उनकी साखी, रमैनी, बीजक, बावन अक्षरी, उलट बासी में देखे जा सकते हैं। कबीर एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं। वे दो संस्कृतियों के संगम हैं। उनका मार्ग सहजता है, यही कारण है कि उन्होंने सहज योग का मार्ग सुझाया। वे जाति-पाँति के भेदभावों से मुक्त एक सच्चा इंसान, क्रांतिकारी संतपुरुष एवं अनूठे योगी थे। कबीर ने इन क्रांतिकारी शब्दों के जरिये पाखंडियों को किया था लहूलुहान-कबीर बानी अटपटी, सुनकर लागे आग। अज्ञानी जन जल मुए,ज्ञानी जाए जाग। कबीर की वाणी धधकती हुई आग के समान थी, जिस अग्नि में अज्ञानी और पाखंडियों का भस्म होना निश्चित है। संत सज्जन व्यक्तियों का जीवन सुसज्जित तथा उन्हें परम सत्य की प्राप्ति होना सुनिश्चित है। सत्य परम प्रकाश हमारे अंदर है जिसकी प्राप्ति संत कबीर जैसे महापुरुषों के ज्ञान से की जा सकती है।

महात्मा कबीर ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। कबीर शब्दों का महासागर है, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है।

संत शिरोमणि कबीर सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक थे, साम्प्रदायिक सद्भावना एवं सौहार्द को बल दिया। उनको हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही संप्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। दोनों संप्रदाय के लोग उनके अनुयायी थे। यही कारण था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हिन्दू कहते थे कि उनका अंतिम संस्कार हिन्दू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। किंतु इसी छीना-झपटी में जब उनके शव पर से चादर हट गई, तब लोगों ने वहाँ फूलों का ढेर पड़ा देखा। यह कबीरजी की ओर से दिया गया बड़ा ही चमत्कारी और सशक्त संदेश था कि इंसान को फूलों की तरह होना चाहिए- सभी धर्मों के लिए एक जैसा भाव रखने वाले, सभी को स्वीकार्य। बाद में वहाँ से आधे फूल हिन्दुओं ने ले लिए और आधे मुसलमानों ने तथा अपनी-अपनी रीति से उनका अंतिम संस्कार किया। अध्यात्म के महासूर्य कबीर ने कहा है, ह्यबुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय। जो मन खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोयह्न इस दोहे में कबीर ने बताया है कि व्यर्थ में हम किसी दूसरे में दोष क्यों ढूंढ़ने लगते हैं? हमें अपने अंदर झांक कर देखना चाहिए कि कहीं मुझमें कोई गलती तो नहीं।

'मसि-कागद' छुए बगैर ही वह सब कह गए जो श्रीकृष्ण ने कहा, नानक ने कहा, ईसा मसीह ने कहा और मुहम्मद साहब ने कहा। आश्चर्य की बात, अपने साक्ष्यों के प्रसार हेतु कबीर सारी उम्र किसी शास्त्र या पुराण के मोहताज नहीं रहे। न तो किसी शास्त्र विशेष पर उनका भरोसा रहा और ना ही उन्होंने जीवन भर स्वयं को किसी शास्त्र में बाँधा। कबीर ने समाज की दुखती रग को पहचान लिया था। वे जान गए थे कि हमारे सारे धर्म और मूल्य पुराने हो गए हैं। नई समस्याएँ नए समाधान चाहती हैं। नए प्रश्न, नए उत्तर चाहते हैं। नए उत्तर, पुरानेपन से छुटकारा पाकर ही मिलेंगे। कबीर भारत की उज्ज्वल गौरवमयी संत परंपरा में सर्वाधिक समर्पित एवं विनम्र संत हैं। वे गुरुओं के गुरु हैं, उनका फकडपन और पुरुषार्थ, विनय और विवेक, साधना और संतता, समन्वय और सहअस्तित्व की विलक्षण विशेषताएं युग-युगों तक मानवता को प्रेरित करती रहेगी।

समर कैंप में छात्र छात्राओं का हुआ मानसिक विकास

विभिन्न गतिविधियों का लिया लिया भरपूर आनंद

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लॉक संसाधन केंद्र स्थित कम्पोजिट स्कूल चन्दनपुर खादर में आयोजित समर कैंप का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें समर कैंप में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र छात्राओं को शैक्षिक किट देकर सम्मानित किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार ने बताया कि ब्लॉक में 22 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 21 मई से 10 जून तक समर कैंप का आयोजन किया गया। समर कैंप का मुख्य उद्देश्य छात्र छात्राओं में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक मानसिक विकास करना है। इस समर कैंप में छात्र छात्राओं को योगा, क्राफ्ट,पोस्टर प्रतियोगिता,निबंध प्रतियोगिता, स्थानीय प्राकृतिक स्थितियों एवं गांव में स्थित प्राचीन स्थल आदि की जानकारी प्रदान की गयी। विभिन्न गतिविधियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को शैक्षिक किट देकर सम्मानित किया गया। समर कैंप में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों ने समर कैंप के आयोजन के दौरान खूब मौज-मस्ती की और गतिविधियों का आनंद लिया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में 20 दिन के समर कैंप बहुत ही अच्छा रहा । छात्र छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बहुत कुछ सीखा। और अपने अनुभव साझा किए। सहायक विकास अधिकारी पंचायत नितिन जैन ने समर कैंप के दौरान आयोजित हुई विभिन्न गतिविधियों के बारे में प्रकाश डाला और समर कैंप के आयोजन की प्रशंसा भी की।समर कैंप में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों को शत प्रतिशत रूप से उपस्थित रहने के लिए समस्त अध्यापकों एवं शिक्षा मित्रों का आभार जताया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह,सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) नितिन जैन, पंचायत सचिव मोनू सिंह,राजेश कुमार,एआरपी महीपाल सिंह, वरिष्ठ संकुल शिक्षक प्रमोद कुमार, मनोज कुमार शर्मा, जयपाल सिंह, राहुल सागर, नाजिर अली, सतेन्द्र सिंह,जितेन्द्र सिंह,राजेश कुमार, रेनू शर्मा आदि मौजूद रहे।

आज महिला उत्पीड़न को लेकर उत्तर प्रदेश महिला आयोग की मा0 सदस्या करेगी जनसुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश महिला आयोग महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं को सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के स्थानीय गेस्ट हाउसों/ सर्किट हाउस में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ जनपदीय पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एवं सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ जनपद अमरोहा में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा /जनसुनवाई /निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त के कम में समीक्षा बैठक में जनपद में माह दिनांक 11.06.2025 को पूर्वान्ह 11 बजे विकास भवन सभागार, अमरोहा में उत्तर प्रदेश महिला आयोग की मा0 सदस्या संगीता जैन द्वारा उपस्थित महिलाओ द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थनाओं पर महिला जनसुनवाई की जायेगी एवं तत्पश्चात सामुदायिक /प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बालिका/महिला गृह आंगनवाड़ी केन्द्रो का निरीक्षण किया जाना है।

अनेकों स्थान पर चलाया गया भिक्षावृत्ति रोकथाम बालश्रम उन्मूलन अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन के पत्र संख्या एडीजी-म0स0प्र-व-10बी /2025 दिनांक 10.02.2025 के अनुपालन में भिक्षावृत्ति उन्मूलन रोकथाम हेतु जनपद स्तर पर चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत मंगलवार को पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार एवं पुलिस उपाधीक्षक अपराध के निर्देशन में थाना ए0ए्च0टी0 अमरोहा से निरीक्षक राजेन्द्र कुमार, आरक्षी गोपाल सिंह, मुख्य आरक्षी पूजा, सोनल व समस्त टीम एवं बाल कल्याण समिति से ज्योति मेहलोत्रा व मिशन शक्ति मोबाइल द्वारा थाना अमरोहा नगर क्षेत्र के मैन बाजार, रेलवे स्टेशन ऑटो शॉप, वर्कशॉप पर भिक्षावृत्ति रोकथाम बालश्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया, अभियान के दौरान टीम द्वारा गांधीमूर्ति चौक के आस-पास के होटल ढाबों, आटोमोबाईल वर्कशाप आदि पर जन जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें पम्पलेट/पोस्टर चस्पा कर एवं महिलाओं को मिशन शक्ति पंपलेट वितरण कर बालश्रम के बारे में आमजनता को जागरुक किया गया। अभियान के दौरान कोई भी बच्चा बालश्रम/भिक्षावृत्ति करता हुआ नही पाया गया।

नीलकंठ स्टार होटल एंड रेस्टोरेंट 9 नेशनल हाईवे शकरपुर का भव्य शुभारंभ

पर्यटकों , यात्रियों को मिलेंगे उम्दा स्वादिष्ट व्यंजन : महबूब अली।

हमारे यहां क्वाल्टी से कोई समझौता नहीं : विक्रम लाठर

अमरोहा (सब का सपना):- एन एच 9 हाईवे पर शकरपुर में श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के निकट बहुत ही शानदार आलीशान होटल एंड रेस्टोरेंट नीलकंठ स्टार खुल गया है। जहां यात्रियों पर्यटकों को बहुत ही शानदार उच्च क्वाल्टी का गुणवत्ता पूर्ण खाना, नाश्ता, लंच , डिनर , ब्रेक फास्ट चौबीस घंटे उपलब्ध मिलेगा । दिल्ली बरेली, लखनऊ नैनीताल जाते हुए यात्री पर्यटक यहां के लजीज स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाए फीता काटकर विधिवत आज अमरोहा विधायक उत्तर प्रदेश लोक लेखा समिति के सभापति महबूब अली ने उदघाटन किया ।दूर दराज आए मेहमानों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया महबूब अली, सदर विधायक अमरोहा / पूर्व केबिनेट मंत्री, सभापति लोक लेखा समीति उ०प्र० ने एन०एच०-9 शकरपुर रजबपुर में नीलकंठ स्टार होटल/रेस्टोरेन्ट का उदघाटन करते हुए कहा कि मुरादाबाद दिल्ली नेशनल हाईवे पर उच्च गुणवत्ता का सस्ता खाना उपलब्ध होगा, उक्त होटल मे पर्यटको को मूलभूत सूविधाओ सहित कई प्रकार के व्यंजन मुनासिफ दामो मे उपलब्ध होगे। होटल के प्रोपराइटर विक्रम लाठर ने बताया कि हमारी इससे पहले भी कई इकाई है क्वाल्टी से हमारे यहां कोई समझौता नहीं है । इस मौके पर मा० विधायक इकबाल महमूद, जावेद आब्दी, पूर्व एम एल सी परवेज महबूब अली, मस्तराम यादव, निर्मोज यादव, इकबाल खाँ, नसीम खॉ, इकरार अंसारी, जोया के पूर्व चेयरमैन जाहिद हुसैन एडवोकेट, अमरोहा गन्ना समिति के पूर्व चेयरमैन चौधरी भगत सिंह बोबी, फिरोज प्रधान, सालीम प्रधान, दानिश इजि०, यामीन फारूकी, सभासद अंसार मलिक, कौसर अब्बासी, साबिर अली, हरिओम सिंह, जयचन्द्र प्रधान, शफीक आदि,विक्रम लाठर, रिक्की, विकास, यजविंद्र लाठर,प्रिंस चौहान, शाहनवाज अली , जावेद अली, सलमान अली, बीरेंद्र सिंह राहवाल , रोमी शफात, जाकिर हुसैन सहित हजारो की संख्या मे लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम से पूर्व विधिविधान से पूजापाठ एवं हवन किया गया।

भाजपा का प्रबुद्ध सम्मेलन को सफल बनाने के लिये रूपरेखा को लेकर की बैठक

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मंगलवार को सुभाष रोड स्थित सुधीर मल्होत्रा के निवास पर मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कल 11 जून को संजीवनी पैलेस निकट रोडवेज चन्दौसी में होने वाले प्रबुद्ध सम्मेलन को सफल बनाने के लिये रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम के संयोजक सुधीर मल्होत्रा ने कार्यक्रम के निमित जिम्मेदारी सोपी गयी। वार्ता में बताया कि मोदी सरकार के विकसित भारत के परिपेक्ष में

प्रत्येक गांव, शहर और घर में खुशहाली, समृद्धि और प्रत्येक वर्ग को समानता का अधिकार मिला है। भारत ने प्रत्येक दिशा में अभूतपूर्व परिवर्तन करने का साहसिक कार्य किया है। ब्लॉक प्रमुख सुगंधा सिंह ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष पूर्ण होने के विषय पर केंद्रित होगा। जिसमें आप सभी प्रबुद्धजन की गरिमामयी उपस्थिति की पूर्ण अभिलाषा है। बैठक में विनोद शर्मा, अरविंद गुप्ता, सतीश अरोरा, अंकित जैन, गिरीश रतन, अभिनव शर्मा, तरुण नीरज, डॉ विनय वार्ष्णेय, शुभम अग्रवाल, रोहित दिवाकर, आकाश आहूजा, अमन कोली आदि उपस्थित रहे।

17 घरों में लगी अचानक भीषण आग, 6 पशुओं की मौत

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- विकासखंड क्षेत्र गंगेश्वरी के ग्राम पंचायत मलकपुर में अचानक आग लग गई। जिसमें लगभग 25 लाख रुपए के नुकसान सहित 6 पशुओं की जलकर मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मलकपुर गांव में 17 घरों में अचानक भीषण आग लग गई। सूचना पाकर थाना पुलिस, पुलिस क्षेत्राधिकारी व तहसीलदार हसनपुर भी मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने से पहले ही पुलिस व ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया था। बताया जा रहा है कि आग लगने से लगभग 25 लाख रुपए का नुकसान हुआ है वही 6 पशुओं की जलकर मृत्यु हो गई। जानकारी मिलने पर ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी मौके पर पहुंच गए और ग्रामीणों को सांत्वना देते हुए उन्होंने कहा कि शासन से हर संभवत मदद दिलाई जाएगी।

समर कैंप के समापन में , छात्र-छात्राओं को स्वस्थ रखने के लिए दिए गए बेहतर टिप्स

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- शहर के राजकीय इंटर कॉलेज में चलाए जा रहे 21 दिवसीय समर कैंप के अंतिम दिन छात्र-छात्राओं को विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर समर कैंप का समापन कॉलेज के प्रधानाचार्य ललित कुमार की अध्यक्षता में किया गया। वही समर कैंप में बेहतर ढंग से भूमिका निभाने वाले शिक्षक जयवीर सिंह और राजीव सिंह ने मेहनत और लगन के साथ बच्चों को योगा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संस्कार, साइबर क्राइम, बैंकिंग, खेलकूद व अन्य पर्यावरण संबंधित आदि जानकारियां उपलब्ध कराई गई। इस दौरान 21 दिन में लगातार चल रहे समर कैंप में बच्चों ने बेहतर से बेहतर प्रदर्शन कर समर कैंप का भरपूर आनंद लिया। इसी के साथ प्रधानाचार्य ललित कुमार ने छात्र-छात्राओं को मंच पर बुलाकर बारीकी से उनसे समर कैंप में दिए गए प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली। और सभी छात्र-छात्राओं ने उनके सभी सवालों का जवाब बेहतर ढंग से दिया। वहीं शासन के निर्देश पर राजकीय माध्यमिक कॉलेज में चलाए जा रहे समर कैंप का प्रभाव छात्र-छात्राओं के दैनिक जीवन में शारीरिक और मानसिक दोनों पर पड़ा। और इसी के साथ प्रधानाचार्य है। ललित कुमार ने सभी बच्चों को मिष्ठान वितरण कर सभी छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की कामनाएं की और सभी को शिक्षा के क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

भारत सरकार के संयुक्त सचिव अमित शुक्ला की अध्यक्षता में बैठक का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अमित शुक्ला, संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन की हर घर पर जल योजना, मध्य गंगा नहर निर्माण खंड- 2 की प्रगति व जल शक्ति अभियान की कैच द रेन- के अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जल जीवन मिशन की समीक्षा में संयुक्त सचिव ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कितनी परियोजनाएं चल रही हैं कितनी लंबित हैं कितनी पूर्ण हो गयी हैं धनराशि के अभाव में कितनी परियोजनाएं अपूर्ण हैं जानकारी ली ।प्लंबर और फिटर की ट्रेनिंग की जानकारी जनपद में हर जगह पर वाटर लेबर पानी की गुणवत्ता की जानकारी लेकर टेस्टिंग रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिया। सचिव महोदय ने कितना ग्राउंड वाटर कृषि में उपयोग किया जा रहा है भूजल स्रोत कितना है कितने जल की आवश्यकता है जल कितना रिचार्ज हो रहा है ब्लॉक वाइज कितना जल की जरूरत है जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मध्य गंगा नहर निर्माण परियोजना चरण -2 की स्वीकृति के संबंध में क्रमशः अधीक्षण अभियंता अलीगढ़ बिजनौर संभल मेरठ रुड़की की जानकारी ली और पीपीटी के माध्यम से कराये जा रहे कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति की जानकारी लेकर लक्ष्य के सापेक्ष ध्यान रखकर परियोजनाओं को पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए । कहा कि जो भी छोटे-छोटे कार्य हैं उनको पूर्ण कराएं । कैच द रेन के अंतर्गत किये जाने वाले कार्यों की जानकारी अवर अभियंता लघु सिंचाई से लेकर कम्युनिटी मोबीलाइजेशन में किए जा रहे कार्यों संबंधी तीन माह की रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिया । संयुक्त सचिव ने वृक्षारोपण की मिया बाकी पद्धति की जानकारी लेकर लोकल प्रजातियों को वृक्षारोपण में सम्मिलित करने के निर्देश दिया । निर्देश देते हुए संयुक्त सचिव महोदय ने कहा कि कोई भी काम करें लॉन्ग टर्म के लिए करें । पांच साल तक की कार्य योजना बनाकर कार्य करें और उसके अनुसार सही दिशा में धनराशि प्रयोग करें। इस अवसर पर निदेशक सी डब्लू सी गोबर्धन प्रसाद विशेषज्ञ रहमान, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पीडीडीआरडीए अमरेन्द्र प्रताप, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अधिशासी अभियंता जल निगम अधीक्षण अभियंता अभियंता मध्य गंगा नहर निर्माण खंड -2 के बुलंदशहर अलीगढ़ मेरठ बिजनौर रुड़की मुरादाबाद संभल सहित अन्य विभाग के अधिकारी एवं अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

सैनिक सम्मान व पुनर्मिलन समारोह का किया गया आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास हापुड़ के तत्वाधान में सैनिक सम्मान व पुनर्मिलन समारोह का आयोजन बुड़ इंडिया प्रतिष्ठान हापुड़ में एटीएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट व एयर फोर्स एसोसियशन के सहयोग से किया गया जिसमें 56 फील्ड रेजिमेन्ट मेरठ सहभागी रहा। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व वायु सेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल राकेश कुमार सिंह भदोरिया (से०नि०) रहे तथा संचालन मेजर हिमांशु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एयर चीफ मार्शल राकेश कुमार सिंह भदोरिया, अध्यक्ष एयर वाईस मार्शल अमित त्यागी (से०नि०), एटीएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के चेयरमैन नरेन्द्र अग्रवाल व जिला सैनिक कल्याण एंव पुनर्वास अधिकारी ले० कर्नल विवेक सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन कर समारोह का शुभारम्भ किया गया। कार्यवाही प्रारम्भ करने से पूर्व 02 मिनट का मौन रखकर शहीदो को श्रद्धाजलि दी गयी। पूर्व सैनिकों व एटीएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूट के चेयरमैन नरेन्द्र अग्रवाल द्वारा मंचासीन अतिथियों को शॉल पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा जनपद के वीर बालिदानियों को समर्पित स्मारिका शहीद शौर्य गाधा के प्रथम संस्करण का विमोचन व अलंकृत/व्योवृद्ध सैनिकों तथा प्रतिभाशाली छात्रों के साथ ही स्मारिका के सम्पादक मण्डल का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि एयर चीफ मार्शल भदोरिया (से०नि०) द्वारा सम्बोधन करते हुए कहा कि हमे भारतीय सेना पर गर्व है तथा जब भी देश पर संकट आया है सेना ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर देश की रक्षा की है। पूर्व सैनिको से उन्होने कहा कि आप सेना से निवृत हो गये है, परन्तु देश सेवा से नही। सेवानिवृति उपरान्त अपना अमूल्य समय देश व समाज को दे। अध्यक्षता कर रहे एयर वाईस मार्शल अमित त्यागी (से०नि०) ने कहा कि सैनिक देश की धरोहर है। शासन/प्रशासन को सैनिकों, पूर्व सैनिको की समस्याओं को वरीयता के आधार पर समाधान करना चाहियें। विधायक धर्मेश तोमर, जिला पंचायत अध्यक्षा रेखा नागर, पुलिस अधीक्षक ज्ञानजंय सिंह द्वारा भी अपने सम्बोधन में आयोजन कताओं को भव्य व सफल आयोजन के लिए बधाई दी व कहा कि प्रत्येक सैनिक का सम्मान करना हमारी वरीयता है। आयोजन में उल्लेखनीय उपस्थिति रही, ब्रिगेडियर जितेन्द्र कुमार सिंह वीरचक (से०नि०), विग कमाण्डर सुदर्शन पाल (से०नि०), ग्रुप केप्टेन सिराज महेन्दी (से०नि०). 56 फील्ड रेजिमेन्ट के कमान अधिकारी कर्नल नवीन शर्मा, एटीएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के चेयरमैन नरेन्द्र अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल, संजय डाबर, श्रीमती अर्चना कंसल, व काफी संख्या में पूर्व सैनिक व विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

जनसेवा एवं गौसेवा कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का लिया संकल्प- वैश्य एकता मंच

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मंगलवार को बहेड़े वाले ताल परिसर में वैश्य एकता मंच के तत्वावधान में एक भावनात्मक एवं अनुकरणीय गौसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मंच के पदाधिकारियों और संरक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल गौमाताओं की सेवा नहीं बल्कि समाज में दया, करुणा, संस्कृति और सनातन मूल्यों के प्रति जागरूकता फैलाना भी था। इस अवसर पर गायों को हरा चारा, स्वच्छ जल और पोषक आहार अर्पित किया गया तथा उनकी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखा गया। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। साथ ही युवाओं में सेवा, समर्पण और नैतिक चेतना का विकास होता है। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने न केवल सेवा भाव से कार्य किया बल्कि समाज में सांस्कृतिक जागरूकता फैलाने के प्रति भी प्रतिबद्धता दिखाई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंच के अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय, विधिक सलाहकार एडवोकेट प्रवीण गुप्ता, महामंत्री आकाश वार्ष्णेय एवं तुषार क्रिस्टल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रजेश चंद्र वार्ष्णेय एवं हेमंत वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष दीपेश वार्ष्णेय एवं मयंक वार्ष्णेय, संरक्षक मन्नु गुप्ता तथा मीडिया प्रभारी प्रथम वार्ष्णेय की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन पर सभी पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा एवं गौसेवा कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। मंच ने समाज के समस्त नागरिकों, विशेषकर युवाओं से यह आह्वान किया कि वे भी गौसेवा जैसे पुनीत कार्यों में भाग लेकर समाज को एक सकारात्मक दिशा प्रदान करें और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ें।

विद्यालय केवल इमारत नहीं संस्कारों के प्रयोगशाला है- दुर्गा टंडन

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मंगलवार को सरोजिनी नायडू कंपोजिट विद्यालय चंदौसी में आयोजित समर कैंप समापन समारोह अत्यंत उत्साह, रंगारंग प्रस्तुतियों और रचनात्मकता के साथ संपन्न हुआ। समारोह की गरिमा को बढ़ाने हेतु नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती लता वार्ष्णेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए कहा, ह्आज की यह नई पीढ़ी अद्भुत ऊर्जा और प्रतिभा से परिपूर्ण है, ऐसे शिविरों के माध्यम से उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होता है। समर कैंप में विद्यार्थियों ने योग, लोकनृत्य, संगीत, चित्रकला, क्राफ्ट, पब्लिक स्पीकिंग आदि गतिविधियों में भाग लेकर अपने बहुआयामी व्यक्तित्व को उजागर किया। अतिथियों व अभिभावकों ने बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ दुर्गा टंडन ने कहा विद्यालय केवल इमारत नहीं संस्कारों के प्रयोगशाला है।हर बच्चा विशेष है यदि उसे अवसर मिले तो वह भी चमत्कार कर सकता है। यह शिविर सिर्फ गतिविधियों का आयोजन नहीं था, बल्कि आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति के नए द्वार खोलने का प्रयास था। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि मंच पर आकर दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित करना सीखें। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावकगण तथा स्थानीय गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। सभी बच्चों को बिस्किट ,समोसे एवं मिष्ठान वितरित किया गया। कार्यक्रम का समापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में आयुषी गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, बृजबाला वार्ष्णेय, मुकुल शर्मा, बीनू शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

सरकार की एक नई पहल मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना

हापुड (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को स्वरोजगार खोलने में मदद करने के लिए एक महत्तवपूर्ण योजना लेकर आयी हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अन्तर्गत कम से कम कक्षा-08 पास एवं 21 से 40 वर्ष के युवा अपना मैन्युफैक्ररिंग सेक्टर जैसे फूड प्रोसेसिंग, होम केयर प्रोडक्ट, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इलेक्ट्रिकल, पेपर एंड अलाइड प्रोडक्टस, प्रिंटिंग एंड स्टेशनरी, सीमेंट एंड अलाइड प्रोडक्ट, एग्री एंड एग्री फूड बिजनेस, वुड एंड वुड प्रोडक्ट, स्पोर्ट्स एंड हॉबीस, रिन्यूएबल एनर्जी, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, हाउसहोल्ड प्रोडक्ट्स, स्मॉल बिजनेस मॉडल, पर्सनल केयर एंड वेलनेस, टेक्सटाइल एंड अपैरल, केमिकल एंड पॉलीमर, हेल्थ करयर एवं ग्रेन मिलिंग आदि उत्पादन या सेवा का व्यवसाय खोलने के लिए सरकार की ओर से 5 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही साथ इस योजना में 10 प्रतिशत की सब्सिड़ी भी उपलब्ध हैं।

योजना में आवेदन करने हेतु msme.up.gov.in की वेबसाईट पर जाकर, आप स्वयं कर सकते हैं या किसी भी जन सुविधा केन्द्र पर जाकर करा सकते हैं। इस योजना के लिए अधिक जानकारी हेतु अपने ब्लॉक / तहसील स्तरीय अधिकारियों या नगर पालिका / नगर पंचायत कार्यालय में जाकर सम्पर्क कर सकते हैं या विकास भवन के कमरा न० 124 में सम्पर्क कर सकते हैं या युवा हेल्प लाइन नम्बर 09129987111 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। यह जानकारी मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम द्वारा दी गई है

बुवाई से पहले ही बीज शोधन कर करे फसलो मे रोग नियंत्रण

कांधला/ शामली (सब का सपना):- मगलवार को विकास खण्ड कांधला के गाव मीमला मे पंचायत घर पर विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीसी विपिन कुमार ने की। कार्यक्रम मे कृषि वैज्ञानिक डा संदीप चौधरी ने किसानो को बीमारी के फैलने के कारणो बारे मे बताया व बताया कि बीज के द्वारा भी विभिन्न प्रकार की बीमारी फैलती है। जिनका नियंत्रण बीज शोधन से कर सकते है। बुवाई से पहले बीज शोधन अवश्य करें। बीज शोधन से बीज जनित रोगों से सुरक्षा, पौधों की आरंभिक अवस्था में रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, अंकुरण दर में सुधार रासायनिक शोधन से कीट एवं फफूंद नियंत्रण और स्वस्थ एवं मजबूत पौधों की प्राप्ति होती है। बीज शोधन फफुद नाशक ट्राइकोडर्मा हार्जेनियम 5-10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम या थायरम 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर करे। बीज शोधन करते समय दस्ताने व मास्क का प्रयोग करें। शोधन के तुरंत बाद बीजों को छाया में सुखाएं और सूखने के बाद ही बुवाई करें। जैविक व रासायनिक शोधन एक साथ न करें। सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा) अजय तोमर ने किसानो को प्राकृतिक खेती व जैविक खेती करने की सलाह दी। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) जयदेव उपाध्याय ने फसलोत्पादन मे फसल अवशेष प्रबंधन अन्तर्गत वेस्ट डीकम्पोजर कैप्सूल की उपयोगिता बतायी। कृषि विविधिकरण, मिश्रित खेती, कृषि यंत्रीकरण, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री आदि की जानकारी किसानो से साझा की। बीडीसी विपिन कुमार ने कार्यक्रम मे आये समस्त कृषक बन्धुओ का धन्यवाद ज्ञापित किया व वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान के निदेर्शानुसार खेती करने की सलाह दी। इस अवसर पर सहायक तकनीक प्रबंधक धर्मेंद्र सिंह, निर्भयपाल, नितीश, तेजपाल सिंह, सन्नी, अनिल चौहान, हवा सिंह, सोनु, अखिल आदि मौजूद रहे।

सल्फा गांव मे जल संरक्षण पर प्रशिक्षण दिया

कांधला/शामली (सब का सपना):- विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम चौपाल, सल्फा गांव मे ग्राम्य विकास संस्थान जानसठ द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशिक्षण अधिकारी छत्रपाल सिंह द्वारा जल संकट के सम्बध मे चर्चा की व बताया कि बढ़ती जनसंख्या, कृषि कार्य में पानी का अत्यधिक उपयोग और जल स्त्रोतों का लगातार दोहन इन सभी कारणों से जल की उपलब्धता में भारी कमी आ रही है। इसके परिणामस्वरूप कृषि, घरेलू उपयोग और औद्योगिक कार्यों के लिए जल की आपूर्ति में कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं। इसके बावजूद, जल संरक्षण और जल संवर्धन की आवश्यकता को समझते हुए कई पहल की जा रही हैं। जल संरक्षण के उपाय जैसे वृष्टि जल संचयन, जल पुनर्चक्रण, विकसित जल संरचनाएँ और संवेदनशीलता और शिक्षा के बारे मे जागरूक किया। प्राविधिक सहायक कृषि विशु कुमार ने प्रशिक्षणार्थियो को कृषि मे सिंचाई में दक्षता के सम्बध मे पारंपरिक सिंचाई विधियों के मुकाबले ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई की तकनीक अधिक जल बचाने वाली है। यह पानी को सीधे पौधों की जड़ में पहुंचाती है, जिससे पानी की बबार्दी नहीं होती साथ ही जल संवर्धन के उपाय के उपाय जैसे वनारोपण। पानी के स्त्रोतों का संरक्षण और जल प्रदूषण नियंत्रण के बारे मे बताया। ग्राम प्रधान गंगा राम ने जल संरक्षण और जल संवर्धन केवल सरकारी स्तर पर नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की जिम्मेदारी बनती है। अगर हम सभी मिलकर इस दिशा में प्रयास करें, तो जल संकट से निपटा जा सकता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है।इस अवसर पर अटल भूजल योजना से आईसी एक्सपर्ट शोकेन्द्र सिंह मलिक, डी आई पी प्रतिनिधि अमित कुमार, पंचायत सहायक उत्तर कुमार, जलवीर विनय कुमार, प्रगतिशील किसान, रामानंद,केशोराम, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने प्रतिभाग किया गया।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत तीन दिवसीय दिव्य गर्भसंस्कार विज्ञान कार्यशाला का आयोजन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजनान्तर्गत को बी.आर.रिसोर्ट, बबराला रोड, बहजोई जनपद सम्भल में तीन दिवसीय दिव्य गर्भसंस्कार विज्ञान कार्यशालाह्न का शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया, आकांक्षा समिति अध्यक्षा डॉ. उशा राजेन्द्र पैंसिया, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भटट, आकाक्षा समिति उपाध्यक्ष मृदुला भट्ट, निधि पटेल डिप्टी कलक्टर, शुभि गुप्ता डिप्टी कलैक्टर, चन्द्रभूषण जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने कायार्शाला मे उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपराओं को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ते हुए एक अनूठी दिव्य गर्भसंस्कार कार्यशाला का आयोजन जनपद मे प्रथम बार हो रहा है। यह कार्यशाला दिनांक 10, 11 व 12 जून 2025 को प्रातः 09 बजे से सांय 05 बजे तक सम्पन्न होगा। यह कार्यशाला गर्भवती महिलाओं, होने वाले माता-पिता और परिवारों को गर्भावस्था के दौरान आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ संतान के लिए प्राचीन वैदिक ज्ञान से परिचित कराएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अन्तर्गत गतवर्ष महिलाओ एवं बालिकाओं को आत्म रक्षा के गुण, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, महिलाओ एवं बालिकाओ द्वारा किसी भी क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित, नवजात कन्याओं की माताओ को बैबी किट आदि का वितरण, योजना सम्बन्धि कॉफी मग, टीशर्ट, संस्कृतिक कार्यक्रम आदि कराये गये थे। वर्तमान वित्तीय वर्ष में नवचार के रूप मे यह कार्यशाला जनपद में की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि दिव्य गर्भसंस्कार विज्ञान एक ग्रन्थ है, जिसकी लेखिका डॉ. उषा राजेन्द्र पैंसिया है। दिव्य गर्भसंस्कार विज्ञान पुस्तक की लेखिका डॉ. उषा राजेन्द्र पैंसिया को उत्तर प्रदेश साहित्य एकेडमी द्वारा एक लाख रुपए भगवति चरण वर्मा का पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया है। जिलाधिकारी ने उपस्थिति सभी लोगों से कहा कि तीन दिवसीय कार्यशाला मे आप सभी समय से उपस्थित होकर प्रषिक्षक के रूप मे मनोज कुमार बुब, पुणे, महाराष्ट्र एवं इनकी टीम को ध्यान पूर्वक सुनते हुए, इनके द्वारा प्रदान किये गये प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ ग्रहण करे जिससे इस कार्यशाला का उददेश्य पूर्ण हो सके। आईसीडीएस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो/कर्मचारियों को विषेश रूप से इस कार्यषाला मे बुलाया गया है ताकि वह प्रशिक्षण प्राप्त कर एक प्रषिक्षक के रूप मे जनपद की अन्य गर्भवती महिलाओं को गर्भसंस्कार सम्बन्धि प्रशिक्षण प्रदान करेगे। कार्यशाला मे जो भी बाते बतायी जाये उन्हें ध्यान पूर्वक सुनते हुए उन्हे अपने जीवन मे उतारने का प्रयास करना होगा।आज की कार्यशाला मे प्रषिक्षको द्वारा गर्भसंस्कार का विज्ञान, नौ संस्कारो मे से तीन सस्कार कला सृजन, क्रीडा संस्कार, अन्न संस्कार, मंगलम संस्कार पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए इन्हे बताया गया। तीन प्रणायाम के साथ-साथ नार्मल डिलीवरी आदि पर चर्चा करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।. कार्यशाला मे जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया, आकांक्षा समिति अध्यक्षा डॉ. उषा राजेन्द्र पैंसिया, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भटट, आकांक्षा समिति उपाध्यक्ष मृदुला भट्ट, निधि पटेल, डिप्टी कलक्टर,सुश्री शुभि गुप्ता, डिप्टी कलक्टर, चन्द्रभूषण जिला प्रोबेशन अधिकारी, महेश कुमार जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस, पूनम सिंह, संगीता भार्गव, ममता राजपूत, डा. प्रीति यादव, डा. रैना शर्मा, रचना यादव, नीता रानी, विनोद वाला, अर्चना अग्रवाल, लक्ष्मीना, राज कुमारी, बबीता रानी, पूजा सिंह, साक्षी सिंह, मधु यादव, आकाश, जितेन्द्र, नीरज, अभिषेक, त्रिमल, भगवानदास एवं चालीस गर्भवती महिलाये आदि उपस्थित रहे।

फोर लेन हाईवे की भूमि अधिग्रहण के संबंध में किया गया बैठक का आयोजन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग सम्भल की हिन्दुस्तान इंडस्ट्रियल प्लेज पार्क हेतु असालतपुर जारई से बनियाखेडा तक फोर लेन हाईवे की भूमि अधिग्रहण के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत फोर लेन हाईवे की भूमि अधिग्रहण में आ रही समस्या के विषय में किसानों के साथ वार्ता की गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि नियमानुसार कार्य किया जाएगा किसी भी किसान का अहित नहीं होने दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी चंदौसी विनय मिश्रा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील प्रकाश, उद्योग बंधु फूल प्रकाश, रामेश्वर दयाल शर्मा, अमर सिंह, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

एफ आर इंटर कॉलेज में समर कैंप का हुआ समापन समारोह

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मंगलवार को एफ. आर. इंटर कॉलेज चंदौसी में शासन के निर्देश अनुसार 20 दिनों से चल रहे समर कैंप का समापन समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समर कैंप समापन समारोह को चार चांद लगा दिए। छात्र-छात्राओं ने इस मौके पर समर कैंप के दौरान सीखी हुई गतिविधियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानाचार्य जी की निर्देशन में एवं प्रभारी मोहम्मद नाजिर साहब के कुशल निर्देशन में समर कैंप में बहुत कुछ जीवन से जुड़ी बातें सीखने का अवसर प्राप्त हुआ । जिसमें योग अभ्यास प्रमुख रहा। जिसे साथियों ने बहुत आनंदपूर्वक सीखा साथ ही समर कैंप के दौरान रस्सा कशी, खेलकूद, डांस, मौज-मस्ती, विद्यालय की स्वच्छता सफाई, प्राथमिक चिकित्सा ,पाक कला, चित्रकला, मिट्टी कला, रंगोली बनाना, समर कैंप के दौरान आउटिंग आदि के संबंध में भी सीखा इस समर कैंप की यादें हमेशा जीवन में याद रहेंगी। कार्यक्रम की

अध्यक्षता अशफाक भारती ने की उन्होंने अपने संबोधन में छात्र-छात्राओं को आशीर्वचन देते हुए कहा की समर वेकेशन में अक्सर पहले छात्र-छात्राएं अपने नानी के घर जाया करते थे परंतु सरकार ने समर कैंप की व्यवस्था चालू करके नानी के घर जैसी मौज मस्ती विद्यालय में ही उपलब्ध करा दी है। इसमें छात्र-छात्राओं को कुछ नया सीखने के अवसर प्राप्त हुए हैं। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि विद्यालय के प्रधानाचार्य की पत्नी श्रीमती अरशिद इसरार (शिबली) साहिबा ने आशीर्वचन देते हुए सभी छात्र-छात्राओं को तोहफे एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य वसीम उद्दीन ने कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अभिभावकों , मेहमानों शिक्षक साथियों का कार्यक्रम को सफल बनाने में जो योगदान रहा उन सभी के लिए शुक्रिया अदा किया और छात्र-छात्राओं को प्रेरणा स्वरूप कहा कि समर कैंप के दौरान रोजाना सुबह को आधा- 1 घंटे का योगाभ्यास जो सीखा है वह अपने दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। जानकारी देते हुए बताया कि 15 जून से 21 जून तक प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह मनाया जाता है। इस बार भी शासन के निर्देश हैं कि 15 जून से प्रतिदिन प्रातः 6:00- 7:00 से योग अभ्यास कराए जाएं। इन योग अभ्यास का समापन 21 जून को सामूहिक रूप से किसी चुनी हुई जगह पर किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल जाहिद ने किया कार्यक्रम में समर कैंप प्रभारी मोहम्मद नाजिर, श्रीमती भावना गुप्ता, राशि त्यागी ,कंप्यूटर अनुदेशक जफरुद्दीन, विद्यालय के वरिष्ठ लिपिक कमरुद्दीन, अभिभावक गण विद्यालय का सभी स्टाफ मोहम्मद फैसल ,रितिक, मोहम्मद यामीन ,मोहम्मद आसिफ, कार्यक्रम में सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा फीता काटकर माँ अन्नपूर्णा प्रेरणा कैंटीन का किया शुभारम्भ

इस प्रकार के कार्यो से स्वयं सहायता समूह होंगे आर्थिक सशक्त... जिलाधिकारी

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों की दीदियों को आर्थिक सशक्त बनाने के लिए जिलाधिकारी के प्रयास से आज कलक्ट्रेट परिसर में माँ अन्नपूर्णा प्रेरणा कैंटीन खोला गया है। जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा कैंटीन का फीता काट कर एवं हवन करते हुए एवं नारियल फोड़ कर कैंटीन का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कैंटीन के अन्तर्गत शुद्ध भोजन मिले तथा प्लास्टिक का प्रयोग न हो वह प्रतिबंधित रहे। माँ अन्नपूर्णा प्रेरणा कैंटीन के अन्तर्गत कलक्ट्रेट परिसर में आने वाले गरीबी रेखा से नीचे आने वाले लोगों को सस्ती दरों पर शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, उपायुक्त एन आर एल एम ज्ञान सिंह, सहायक अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग राम गोपाल बंसल एवं खंड विकास अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

द्वारका सेक्टर-13 की बिल्डिंग में लगी भीषण आग, 9वीं मंजिल से कूदे पिता और दो बच्चों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में द्वारका सेक्टर-13 में आज (मंगलवार) सुबह एक बिल्डिंग की नौवीं मंजिल पर आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि कई लोग आनन-फानन में बिल्डिंग से नीचे कूद गए। उन्हें गंभीर हालत में आईजीआई अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान पिता और दो बच्चों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय यश यादव और उनके दो बच्चों (बेटा आदित्य (18) और बेटी (12) आसिमा ने आग लगने के बाद नौवीं मंजिल से छलांग लगा दी थी। तीनों ही गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान तीनों की मौत हो गई। यश यादव फ्लेक्स बोर्ड के व्यवसाय से जुड़े थे। यश यादव की पत्नी और बड़ा बेटा आग से बच गए और जीवित हैं। उन्हें चिकित्सा सहायता के लिए आईजीआई अस्पताल भेजा गया है। सोसायटी के सभी निवासियों को बाहर निकाल लिया गया है और बिजली और पीएनजी कनेक्शन जैसी सभी सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। संरचनात्मक स्थिरता का आकलन करने के लिए डीडीए और एमसीडी को सूचित कर दिया गया है। बताया गया कि फायर ब्रिगेड की टीम को सुबह करीब 10 बजे एमआरवी स्कूल के पास एक बिल्डिंग की नौवीं मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली। वहीं, आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। उधर, डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि फिलहाल आग बुझाने का काम जारी है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

आखिर दबोचा गया थाने का हिस्ट्रीशीटर, कई बड़ी वारदातों को दे चुका है अंजाम

नई दिल्ली। मध्य जिले की प्रसाद नगर थाने की टीम ने एक कुख्यात लुटेरे को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से लूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद हुआ है। आरोपी की पहचान करोल बाग बापा नगर के सोनू उर्फ विक्की उर्फ गबरू के रूप में हुई है, जो करोल बाग थाने का हिस्ट्रीशीटर है और वर्तमान में उसके खिलाफ निष्कासन कार्यवाही चल रही है। वह पहले भी कई आपराधिक घटनाओं में शामिल रहा है। उपायुक्त निधिन वाल्सन के मुताबिक, सात जून को प्रसाद नगर थाने में हरियाणा डेरी, गुरु रविदास मार्ग, करोल बाग के पास से पीड़ित से मारपीट कर मोबाइल फोन लूटने की शिकायत दर्ज हुई थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आसपास के इलाकों की तलाशी ली और मुखबिरों को सक्रिय किया। जिसके बाद एक संदिग्ध की पहचान हुई जो डीडीए खंडार फ्लैट, आर्य समाज रोड के पास घूमता हुआ पाया गया। पुलिस टीम को देख उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन पीछा कर उसे दबोच लिया गया। पूछताछ में पता चला कि सोनू झपटमारी, चोरी और आबकारी अधिनियम के उल्लंघन के पांच मामले शामिल रहा है, जो करोल बाग और प्रसाद नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज हैं।

दिल्ली भाजपा ने कहा-विकसित भारत के साथ विकसित दिल्ली के लिए हो रहा काम, पहले की सरकार ने किया सिर्फ छल

नई दिल्ली: दिल्ली भाजपा ने मंगलवार को प्रेसवार्ता कर दावा किया कि 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास की राजनीति शुरू हुई है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पूरे देश में विकास हो रहा है। विकसित भारत के साथ विकसित राजधानी का काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि 100 दिनों में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में लोगों को यह विश्वास हुआ है कि विकसित दिल्ली के लिए काम हो रहा है। पहले दिल्ली में की जाती थी छल कपट की राजनीति सचदेवा ने कहा कि पीएम मोदी के विजन को राज्य सरकार लागू कर रही है। आयुष्मान भारत सहित केंद्र सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं को दिल्ली में लागू किया जा रहा है। पहले दिल्ली में छल और कपट की राजनीति होती थी। यदि केंद्र में मोदी की सरकार नहीं होती तो दिल्ली की जनता के 11 साल बहुत खराब

होते। कोरोना महामारी इसका उदाहरण है। इतने लोगों की मौत हुई और दिल्ली सरकार ने मात्र 97 लोगों को मुआवजा दिया। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा को बदहाल कर दिया गया। दिल्ली में 1.25 लाख करोड़ की सड़क परियोजनाएं शुरू कीं केंद्र सरकार ने दिल्ली में आवागमन सुगम करने के लिए 1.25 लाख करोड़ की सड़क योजनाएं शुरू की। मेट्रो विस्तार के लिए भी काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र ने तीन लाख मातृ वंदन योजना के तहत महिलाओं को दिए। तीन लाख उज्ज्वला कनेक्शन के साथ 20 हजार मुद्रा योजना से ऋण व दो लाख स्ट्रीट वेंडर को ऋण दिए गए। 12 हजार किसानों को आर्थिक सहायता दी। भारत मंडपम, यशो भूमि, युद्ध स्मारक, आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय सेंटर, भारत वंदना पार्क सहित कई निर्माण से दिल्ली को पहचान मिली है। केंद्र सरकार के सहयोग से काम कर रही दिल्ली सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली सरकार काम कर रही है। यमुना सफाई, जल सीवर सेवा, कूड़े का पहाड़ हटाने का काम हो रहा है। नए डीएसटीपी को मंजूरी मिली है। 16 एसटीपी अपग्रेड किए जा रहे हैं और सीवर लाइन व पेयजल आपूर्ति लाइन बिछाई जा रही। तीनों कूड़े के पहाड़ 60 मीटर से कम होकर 30 से 40 मीटर रह गया। अगले वर्ष मार्च तक ओखला का पहाड़ समाप्त हो जाएगा। चार वेस्ट टू एनर्जी प्लांट शुरू होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किया जा रहा काम शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के लिए काम किया जा रहा है। अस्पतालों में 15 सौ नर्सों की नियुक्ति हो रही है। खाली पदों को भरा जा रहा है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत 1000 लोगों ने लाभ ले लिया है। 33 आरोग्य मंदिर शुरू होने वाला है। जिससे गली मोहल्ले में इलाज मुहैया होगा।

अवैध ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन बने जानलेवा, लोग पूछ रहे ये सवाल

पूर्वी दिल्ली। यमुनापार में धड़ल्ले से अवैध रूप से ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन चल रहे हैं। शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा होगा जहां पर अवैध चार्जिंग स्टेशन न हों। पिछले एक माह में अवैध चार्जिंग स्टेशन में शॉर्ट-सर्किट व चार्जिंग के दौरान बैटरी फैटने से पांच लोगों की जान चुकी है। मजाल है पुलिस, निगम व जिला प्रशासन पर रत्तीभर भी कोई फर्क पड़ा हो। हादसे के बाद भी विभाग सोए हुए हैं और हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। सत्ता में बैठे उन जनप्रतिनिधियों से भी लोग सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर इन पर अवैध चार्जिंग स्टेशनों पर लगाम लगेगी भी या नहीं। ब्रह्मपुरी, चौहान बांगर, जाफराबाद, सीलमपुर, करतार नगर, उस्मानपुर गांव, मौजपुर गांव, बाबरपुर, नूर ए इलाही, घोंडा, भजनपुरा, खजूरी, हर्ष विहार, सबोली, कोंडली, त्रिलोकपुरी, विश्वास नगर, भीक्म सिंह कालोनी, ताहिरपुर, नंद नगरी, सुंदर नगरी, चांदबाग, मुस्तफाबाद, सोनिया विहार, सभापुर, कांति नगर, गांधी नगर, कृष्णा नगर, शाहदरा, राम नगर, सीमापुरी, कल्याणपुरी, शकरपुर, लक्ष्मी नगर, खुरेजी समेत कई क्षेत्रों में अवैध चार्जिंग स्टेशन चल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि चार्जिंग स्टेशन चलाने वाले लोग किसी बड़े मकान का भू-तल किराये पर लेते हैं। घरेलू बिजली कनेक्शन पर ही चार्जिंग स्टेशन शुरू कर देते हैं। चार्जिंग के लिए अलग-अलग प्वाइंट नहीं बनाएं जाते हैं, तार भी खुले पड़े रहते हैं। कई बार उन तारों में शॉर्ट-सर्किट होता है और यह आग की वजह बनता है। कोई विभाग यह झांकने नहीं जाता कि अवैध चार्जिंग स्टेशन कब से चल रहा है और किसकी शह पर चल रहा है।

दिल्ली रोहिणी के अस्पताल में दो महिला डॉक्टरों को तीमारदारों ने पीटा, कपड़े फाड़े और नोंचा

बाहरी दिल्ली: रोहिणी स्थित बाबा भीमराव आंबेडकर अस्पताल की एक महिला डॉक्टर ने मरीज के साथ आए तीमारदारों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब दो बजे एक महिला मरीज के साथ स्त्री रोग विभाग में तीन से चार महिलाएं आई थीं। किसी बात पर कहासुनी के बाद उन महिलाओं ने पहले महिला डॉक्टर का गला दबाया, फिर उनके कपड़े फाड़ दिए। डॉक्टर को नोंच लिया, उनके शरीर पर नाखून के निशान भी मिले हैं। डॉक्टर को बचाने आई दूसरी डॉक्टर को भी पीटा वहीं, डॉक्टर को बचाने आई एक अन्य महिला डॉक्टर के साथ

भी तीमारदारों ने मारपीट की। आरोप है कि वहां तैनात सुरक्षाकर्मी ने भी महिला डॉक्टर को बचाने की कोशिश नहीं की। आंबेडकर अस्पताल के रेजिडेंट डाक्टर एसोसिएशन का आरोप है कि इस मामले में मारपीट करने वाली महिलाओं के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं है और कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि इस मामले में डॉक्टरों की बैठक अस्पताल प्रशासन के साथ होगी। जिसके बाद आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। अस्पताल में एक वर्ष में मारपीट की यह दूसरी घटना डॉक्टरों का कहना है कि इस अस्पताल में एक वर्ष में डॉक्टरों के साथ मारपीट की यह दूसरी घटना है। सीसीटीवी एक्सेस से इनकार किया गया। वहीं, अस्पताल प्रशासन से डॉक्टर मांग कर रहे हैं कि बिना किसी देरी वारदात के समय मौके पर तैनात लापरवाही बरतने वाले सुरक्षाकर्मी को बर्खास्त किया जाए। इस मामले में आरोपितों के खिलाफ एफ आईआर दर्ज कराई जाए। इस पूरे मामले में रोहिणी जिला पुलिस अधिकारी का कहना है कि शिकायत मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में भाजपा ने घोषित किए 30 मंडल अध्यक्ष, चांदनी चौक से बनी चारु सोनी; देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के चल रहे संगठन चुनाव में 30 मंडल अध्यक्षों के निर्वाचन की घोषणा चुनाव अधिकारी महेंद्र नागपाल ने की है। इन अध्यक्षों का चयन भाजपा में संगठनात्मक रायशुमारी के बाद किया गया है। इससे पूर्व भी भाजपा 203 से अधिक मंडल अध्यक्षों के निर्वाचन की घोषणा कर चुकी है। भाजपा के अनुसार, जल्द ही शेष मंडल अध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी। भाजपा दिल्ली के 256 के मंडल अध्यक्ष है। भाजपा के अनुसार, 30 में से पांच महिलाएं मंडल अध्यक्ष निर्वाचित घोषित हुई है। जबकि सात मंडल अध्यक्ष अनुसूचित जाति समाज के हैं। भाजपा के चांदनी चौक जिले से बल्लीमारान मंडल की अध्यक्ष चारु सोनी को बनाया गया है। जबकि उत्तर-पूर्व जिले के ब्रह्मपुरी मंडल से मनीष उपाध्याय, नवीन शाहदरा के रामनगर ईस्ट मंडल से सुषमा दबकू को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है।

गाजियाबाद में चिप्स पैकिंग के गोदाम में भीषण आग, आधे घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

गाजियाबाद: गाजियाबाद के अमृत स्टील कंपाउंड स्थित शीतल एंटरप्राइजेज के गोदाम में मंगलवार की सुबह आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते गोदाम का सारा सामान जलकर राख हो गया। गनीमत इतनी रही कि इस आग में कोई जान हानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे आग गोदाम में आग लगी, जिसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई शुरू की और लगभग आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। पानी की बोतलों और चिप्स पैकिंग का सामान जलकर राख फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों को मौके पर आग काबू करने के लिए भेजा गया। आगे को गोदाम के आसपास की इमारतों तक में जाने से रोका गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल के अनुसार आग गोदाम में रखे पानी की बोतलों और चिप्स पैकिंग के स्टॉक में लगी थी। दमकल विभाग ने तीन गाड़ियों के साथ आग बुझाने के प्रयास किए और आस-पास के क्षेत्र को सुरक्षित किया, जिससे आग के फैलने से बचा जा सका। राहत की बात यह

रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। समय रहते आग को काबू करने से स्थिति और अधिक गंभीर नहीं हुई।

दिल्ली एमसीडी को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट, हजारों करोड़ की देनदारी और कई योजनाएं लंबित

नई दिल्ली। दिल्ली में वोट बैंक की राजनीति और लोकलुभावन निर्णयों की वजह से दिल्ली नगर निगम की आय नहीं बढ़ पा रही है। ऐसा नहीं है कि निगम आय बढ़ाने के लिए प्रयास नहीं करता है, प्रयास तो होते हैं लेकिन जैसे ही सख्ती होती है वैसे ही राजनीतिक दलों के दवाब में निर्णय लागू नहीं हो पाते है। यही वजह है कि 17 हजार करोड़ रुपये बजट वाले निकाय के पास 14 हजार करोड़ रुपये की देनदारी है। यह स्थिति तब है कि जबकि नगर निगम को हर वर्ष आठ हजार करोड़ रुपये की मदद सीधे मिलती है। इसमें 2500 करोड़ रुपये का अनुदान दिल्ली सरकार देती है। अगर, सरकार से अनुदान और मदद न आए तो एमसीडी के सामने अपने कर्मियों को वेतन देने तक के लाले पड़ सकते हैं। क्योंकि हर वर्ष कर्मियों के वेतन में और निगम के खर्चों में जिस तेजी से बढोत्तरी हो रही है उस तेजी से निगम के राजस्व नहीं बढ़ रहा है। हाल ही में राजस्व बढ़ाने के लिए यूजर चार्ज वसूलने के निर्णय को निगम अधिकारियों को राजनीतिक दवाब में पीछे हटना पड़ा। जहां पहले संपत्तिकर के साथ निगम ने कूड़ा उठाने वाले यूजर चार्ज को अनिवार्य किया था। अब वह वैक्लपिक कर दिया है। ऐसे ही पूर्व में संपत्तिकर वसूलने के लिए नोटिस भेजने का विरोध होता है तो मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। वहीं, आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2023-24 में 16 हजार करोड़ रुपये का बजट था लेकिन आंतरिक स्रोत से मात्र नौ हजार करोड़ रुपये की आय थी। इसी तरह 2024-25 में 16683 करोड़ के बजट में निगम की आंतरिक आय 9157 करोड़ ही थी। शेष राशि के लिए निगम को दिल्ली सरकार से अनुदान और दिल्ली सरकार के राजस्व से आने वाली हिस्सेदारी से काम चालाना पड़ा था। वर्ष में कई बार ऐसा होता है कि निगम अपने कर्मियों को जब ही वेतन जारी कर पाता है तब या तो दिल्ली सरकार से ट्रांसफर ड्यूटी के नाम पर राशि निगम को आती है या फिर अनुदान की राशि निगम को जारी होती है।

ड्यू के कॉलेजों में यूजीसी के आदेश के बावजूद नॉन टीचिंग पद नहीं भरे, दो वर्ष बाद अब फिर होगी मांग

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कॉलेजों में स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब गैर-शैक्षणिक (नॉन-टीचिंग) पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इनमें से कई पद यूजीसी की ओबीसी एक्सपेंशन योजना के तहत स्वीकृत थे, जिन्हें अब तक नियुक्तियां नहीं की जा सकती थीं। अरबिंदो कॉलेज ने इसके लिए रविवार को विभिन्न नॉन-टीचिंग पदों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की। कॉलेज के स्थायी प्रिंसिपल प्रो. अरुण चौधरी ने कहा कि जैसे शिक्षकों की नियुक्ति महत्वपूर्ण है, वैसे ही कॉलेज संचालन के लिए स्थायी नॉन-टीचिंग स्टाफ भी उतना ही आवश्यक है। पिछले नौ वर्ष से गैर शैक्षणिक पदों पर नहीं हुई थीं नियुक्तियां उन्होंने कहा कि कॉलेज में पिछले नौ वर्षों से स्थायी प्रिंसिपल नहीं होने के कारण गैर-शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियां नहीं हो सकी थीं। पदों का विज्ञापन निकाला तो गया था, परंतु प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। स्थायी प्रिंसिपल नियुक्त होने के बाद उन्होंने नॉन-टीचिंग पदों का रोस्टर तैयार करवाया। विश्वविद्यालय से मंजूरी प्राप्त कर विज्ञापन जारी किया और

अब परीक्षा आयोजित कर प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि कॉलेज में पुस्तकालय, लेखा विभाग, प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, फीस संग्रहण, वेतन प्रबंधन विभाग के लिए स्थायी कर्मचारियों की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। 31 मार्च 2023 तक करनी थीं नियुक्तियां, मगर नहीं की गईं कॉलेज के मीडिया संयोजक डॉ. हंसराज सुमन ने बताया कि यूजीसी ने ओबीसी विस्तार योजना के तहत नॉन-टीचिंग पदों को भरने के लिए 31 मार्च 2023 तक का समय दिया था। बावजूद इसके, कई कॉलेजों ने इन पदों को नहीं भरा। डॉ. सुमन ने कहा कि अधिकांश कालेजों में यह सीटें अभी भी खाली हैं और कई प्रिंसिपल नियुक्ति में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। ओबीसी एक्सपेंशन के तहत सबसे अधिक पद हैं खाली उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के कॉलेजों में ओबीसी एक्सपेंशन के सबसे अधिक नॉन-टीचिंग पद खाली हैं। कई प्रिंसिपल इसे भरने में गवर्निंग बॉडी की मंजूरी का बहाना बनाते हैं, जबकि शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति में यह बाधा नहीं बनी। कहा कि वे जल्द ही डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह और कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता से मिलकर सभी कॉलेजों में नॉन-टीचिंग पदों को भरने की मांग रखेंगे।

काशी में पुलिस ने 21 फर्जी पुजारियों को गिरफ्तार किया

वाराणसी (एजेंसी)। काशी में बाबा विश्वनाथ के भक्तों के साथ ठगी का बड़ा मामला आया है। काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर खुद को पुजारी बताकर श्रद्धालुओं को ठगने वाले 21 फर्जी पुजारियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग मंदिर में अवैध रूप से दर्शन कराने और प्रसाद-लॉकर के नाम पर फर्जीवाड़ा कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, ये फर्जी पुजारी खुद को मंदिर से अधिकृत बताकर सुलभ दर्शन का वादा कर प्रति व्यक्ति 500 से 1000 रुपये तक की राशि वसूलते थे। पैसे लेने के बाद वे श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर की ओर ले जाने का दिखावा कर किसी गली में छोड़कर गायब हो जाते थे। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी बाहर से आए हुए है और खुद को पुरोहित बताकर भोले-भाले श्रद्धालुओं को निशाना बनाते थे। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर जानने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह में और कौन लोग शामिल है।

ग्वालियर में 2500 ने हिंदू धर्म छोडा, बौद्ध धर्म स्वीकारा

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर के भितरवार स्थित धाकड़ खिरिया में आयोजित बौद्ध महासम्मेलन में ढाई हजार हिंदुओं ने हिंदू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया है। यहां पर तीन दिवसीय बौद्ध आयोजन हो रहा था। रविवार को आयोजन स्थल पर समापन के मौके पर बुद्ध भूमि पर धर्मदूत संघ भोपाल के अध्यक्ष सागर महाथेरो ने बौद्ध धर्म की शपथ दिलाई। शपथ में कहा गया, हिंदू देवी देवताओं की पूजा नहीं करूंगा। ब्रह्मा, विष्णु,महेश को ईश्वर नहीं मानूंगा। इस शपथ ग्रहण समारोह का 4. 24 मिनट का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो और शपथ ग्रहण समारोह की पुष्टि आयोजक नहीं कर रहे हैं। धर्म परिवर्तन की बात सामने आने के बाद एसडीएम भितरवार संजीव जैन इस मामले की जांच कर रहे हैं। आयोजकों से जिला प्रशासन द्वारा पूछताछ की जा रही है।

पीड़िता ने दुष्कर्मी को झोंक दिया आग में, तड़प-तड़पकर हुई मौत

भुवनेश्वर (एजेंसी)। गजपति जिले में 60 वर्षीय व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाओं के एक समूह ने उसकी हत्या कर दी और शव को जला दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस मामले में कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें आठ महिलाएं शामिल हैं। मृतक के परिवार द्वारा गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। मोहना थाना प्रभारी बसंत सेठी ने कहा, हमें पता चला कि उस व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी और उसके बाद उसके शव को जला दिया गया था। पुलिस ने गांव से करीब दो किलोमीटर दूर एक जंगल के पास पहाड़ी से जली हुई अस्थियां और राख बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि गांव के एक वार्ड सदस्य सहित दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि यह घटना तीन जून की रात को हुई जब व्यक्ति ने गांव में 52 वर्षीय विधवा के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि उसके पिछले यौन उत्पीड़न की पीड़ितों सहित कुछ महिलाओं ने बाद में एक बैठक की और उसे मार डालने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा, वे उसके घर गईं, जहां वह सो रहा था, और 52 वर्षीय विधवा ने अन्य लोगों की मदद से उस व्यक्ति की हत्या कर दी। दो पुरुषों ने भी महिलाओं की सहायता की थी। सेठी ने कहा, गिरफ्तार की गई छह महिलाओं ने यह स्वीकार किया है कि वे उस व्यक्ति द्वारा यौन शोषण का शिकार हो चुकी थीं और उन्होंने इस पीड़ा को समाप्त करने के लिए यह कदम उठाया। गजपति के पुलिस अधीक्षक जतिंद्र कुमार ने कहा, महिलाओं ने उस व्यक्ति (मृतक) के खिलाफ पुलिस से शिकायत नहीं की थी और न ही कभी किसी तरह की मदद मांगी थी।

बीते 3 साल में साढ़े 7 हजार लोगों ने लोकल ट्रेन के सफर में जान गंवाई

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की जीवन रेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेन लोगों का जीवन भी छीन रहीं हैं। वजह ये है कि भारी भरकम भीड़ और धक्का मुक्की के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। मुंब्रा स्टेशन पर हादसे पर सवाल उठ रहे हैं। एक आरटीआई के मुताबिक, बीते तीन वर्षों में मुंबई लोकल में सफर करने वाले 7,560 यात्रियों ने अपनी जान गंवाई है, जबकि 7,293 गंभीर रूप से घायल हुए। यह खुलासा मुंबई लोहमार्ग पुलिस (जीआरपी) द्वारा आरटीआई के तहत दी गई जानकारी में हुआ है। सस्ती, तेज और सुलभ लोकल यात्रा अब खतरनाक बनती जा रही है। अधिक भीड़, सीमित लोकल फेरे, अपर्याप्त सुविधाएं, स्टेशन के प्रवेशद्वारों पर सुरक्षा का अभाव और ट्रैक के पास बैरिकेडिंग की कमी आदि लोकल ट्रेन के हादसों का कारण बन रहे हैं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि सफल अमरनाथ यात्रा से देश के बाकी हिस्सों में यह संदेश जाएगा कि कश्मीर में शांति है

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि सफल अमरनाथ यात्रा से देश के बाकी हिस्सों में यह संदेश जाएगा कि कश्मीर में शांति है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है। अब्दुल्ला ने जम्मू एवं कश्मीर के गंदेरबल जिले के बाबा नगरी में संवाददाताओं से कहा, यह अच्छी बात है कि अमरनाथ तीर्थयात्री आएंगे। अधिक से अधिक संख्या में तीर्थयात्री आने चाहिए, ताकि यह संदेश जाए कि यहां (कश्मीर में) शांति है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर को जो नुकसान हुआ है, उसे शांतिपूर्ण अमरनाथ यात्रा से कम किया जा सकता है। वार्षिक उर्स में भाग लेने बाबा नगरी आए अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने देश में शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, मैंने देश में शांति, हमारे युवाओं के बेहतर भविष्य और नफरत के उस माहौल के अंत के लिए प्रार्थना की, जिससे हम गुजर रहे हैं।

क्यूआर-सेम कई किमी दूर से ही दुश्मन के हमलों को कर देगी नाकाम

सैन्य बलों को इस मिसाइल प्रणाली से लैस करने पर होगा विचार - राजनाथ

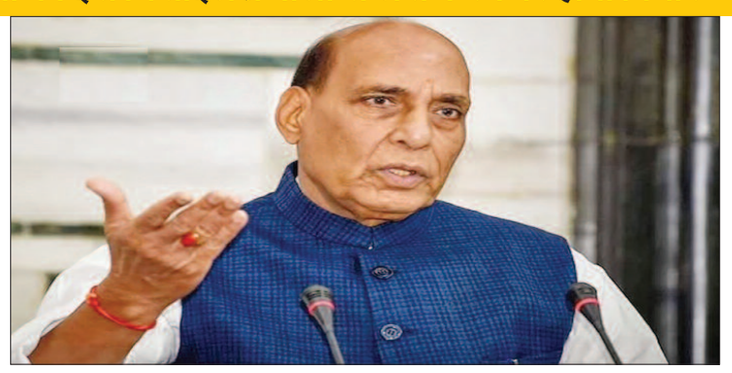

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय जल्द ही सेना के लिए नई स्वदेशी क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल क्यूआर-सेम प्रणालियों की तीन रेजीमेंटों की खरीद के लिए 30,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी देने के मामले पर विचार करेगा। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद इस माह के आखिर में इन मोबाइल क्यूआर-सेम प्रणालियों के लिए जरुरी स्वीकृति देने पर विचार करेगी।

बता दें ये प्रणालियां दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलिकॉप्टरों और ड्रोन को 25 से 30 किलोमीटर की दूरी तक रोकने के लिए डिजाइन की गई है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब भारत की मौजूदा बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान द्वारा छोड़े गए तुर्की ड्रोन और चीनी मिसाइलों के हमलों को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी। पिछले तीन-चार सालों में डीआरडीओ और सेना ने क्यूआर-सेम प्रणालियों का कई प्रकार के खतरों और उच्च गति वाले हवाई लक्ष्यों के विरुद्ध परीक्षण किया है, ताकि दिन और रात दोनों स्थितियों में इनकी क्षमताओं का मूल्यांकन किया जा सके।

बताया जा रहा है कि रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड मिलकर इन प्रणालियों का निर्माण करेंगी। इन प्रणालियों के बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि क्यूआर-सेम प्रणालियां चलते-चलते संचालन करने में सक्षम हैं, जिनमें सर्च और ट्रैक की सुविधा है और वे कम समय के विराम पर फायर कर सकती हैं। इन्हें टैंक और इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल्स के साथ चलने के लिए तैयार किया है ताकि सामरिक युद्धक्षेत्र में उन्हें हवाई सुरक्षा प्रदान की जा सके।

बता दें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान असाधारण प्रदर्शन करने वाली आर्मी एयर डिफेंस को वास्तव में क्यूआर-सेम की 11 रेजीमेंटों की जरुरत है। हालांकि सेना स्वदेशी आकाश प्रणाली की रेजीमेंटों को भी शामिल करती जा रही है, मगर वर्तमान में इसकी अवरोधन क्षमता करीब 25 किमी है। बता दें क्यूआर-सेम प्रणालियों का समावेश वायुसेना और सेना की मौजूदा वायु रक्षा नेटवर्क को मजबूत करेगा। जहां तक सैन्य बलों के पास पहले से मौजूद प्रणालियों की बात है तो इसमें रूसी एस-400 त्रिउम्फ लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है जिसकी 380 किमी अवरोधन क्षमता है।

इसके अलावा हमारे पास इज़राइल के साथ संयुक्त रूप से विकसित बाराक-8 मीडियम रेंज सेम सिस्टम है जिसकी क्षमता 70 किमी की है। साथ ही हमारे पास रूसी इगला-एस कंधे पर दागी जाने वाली मिसाइलें हैं जिसकी क्षमता 6 किमी है। साथ ही उन्नत एल-70 एंटी-एयरक्राफ्ट गन और स्वदेशी एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन व इंटरडिक्शन सिस्टम भी है जिसकी क्षमता 1-2 किमी की है।

बता दें डीआरडीओ बहुत ही कम दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली भी तैयार कर रहा है जिसकी अवरोधन क्षमता 6 किमी है लेकिन असली गेम-चेंजर वह वायु रक्षा प्रणाली होगी जिसकी रेंज 350 किमी होगी और जिसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट कुशा के तहत तैयार किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारत इस लंबी दूरी की प्रणाली को 2028-2029 तक संचालन में लाने की योजना बना रहा है। सितंबर 2023 में रक्षा मंत्रालय ने इसकी पांच स्क्वाड्रनों की खरीद के लिए 21,700 करोड़ की एओएन मंजूरी दी थी।

मोदी सरकार की कई ऐसी उपलब्धियां हैं, जिन्होंने इतिहास रचा : स्मृति ईरानी

रांची। रांची पहुंची पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष के कार्यकाल के पूरे होने पर कई उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की कई ऐसी उपलब्धियां हैं, जिन्होंने इतिहास रचा है। उन्होंने विपक्ष के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राजनीति करने वाले बयान का भी जबाव दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ईरानी ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत के हर नागरिक का अधिकार है कि वह न सिर्फ अपनी सेना पर गर्व करे, बल्कि उनके शौर्य और पराक्रम को नमन करे। मेरा मानना है कि हिंदुस्तान का नागरिक या राजनीतिक दल हो, जिसे हमारी भारतीय सेना पर नाज हो। विपक्ष के पीओके गंवाने के सवाल पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि कुछ विषयों का जवाब सरकार संसद में देगी। पीएम मोदी न सिर्फ एक प्रभावी प्रशासक हैं, बल्कि प्रभावी वक्ता भी हैं। भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि केंद्र की कई उपलब्धियां ऐसी हैं, जिन्होंने इतिहास रचा है। 50 करोड़ लोगों को जनधन योजना के माध्यम से देश की तिजोरी तक जोड़ना, यह मोदी सरकार की एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इसके साथ ही लगभग 45 लाख करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से देश की तिजोरी से लोगों के सीधे बैंक के खाते में गए हैं। हमारे देश में शायद ही कभी किसी ने सोचा हो कि 11 करोड़ किसानों को सीधे देश की तिजोरी से जोड़कर किसान सम्मान निधि की कोई योजना संभव हो पाएगी। लेकिन, पीएम मोदी ने इसे न सिर्फ संभव किया, बल्कि सफल करके भी दिखाया।

नीतीश-बीजेपी ने विधि व्यवस्था का दम ही नहीं निकाला, उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया

-लालू यादव ने बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को कानून-व्यवस्था को लेकर बिहार के सीएम नीतीश कुमार को घेरा। उन्होंने एक्स हैंडल पर बिहार के अपराध से संबंधित आंकड़े पेश कर नीतीश कुमार के शासनकाल में प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था का उल्लेख किया। लालू यादव ने पोस्ट में कहा कि नीतीश बताएं कि शाम 5 बजे से पहले घर में घुसकर ही कितनी हत्याएं हो रही हैं? क्या नीतीश जानते, पहचानते और समझते हैं कि उनके शासनकाल में आधिकारिक आंकड़ों में 65,000 हत्याएं हुई हैं? 65,000!

राजद प्रमुख ने कहा कि नीतीश-बीजेपी ने विधि व्यवस्था का दम ही नहीं निकाला, बल्कि उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। बिहार में इतनी भ्रष्ट, लापरवाह और कामचोर पुलिस कभी भी नहीं रही। इससे पहले 7 जून को भी लालू ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर नीतीश कुमार के शासनकाल में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि बेलगाम अपराधी, मदमस्त अफसरशाही और बेहोश सरकार रिकॉर्ड तोड़ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार। बिहार का बंटाधार करने वाली यह है 20 सालों की एनडीए सरकार!

बता दें बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच वार-पलटवार का सिलसिला जारी है। इससे पहले बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 5 जून को राष्ट्रीय जनता दल और गांधी परिवार पर निशाना साधा था।

दिल्ली पहुंचे सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार, डीके की ताजपोशी सहित कई मुददों पर चर्चा

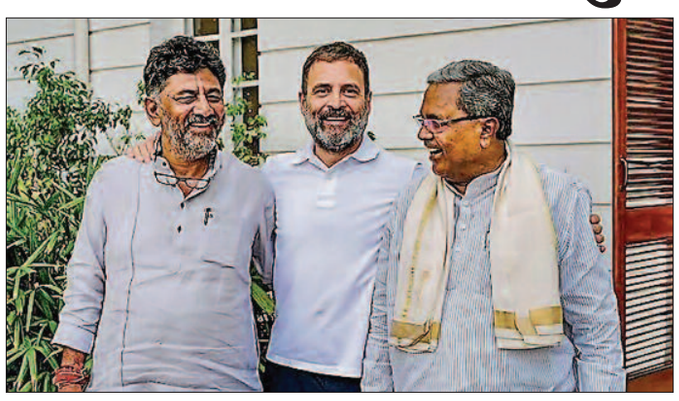

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी क्या नेतृत्व परिवर्तन करने जा रही है? यह सवाल लंबे से कर्नाटक के सियासी गलियारे में सुनाई दे रहा है। लेकिन, इस को लेकर बड़ी हलचल देखी जा रही है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दिल्ली में हैं। वे कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर रहे हैं। इस अहम बैठक में एआईसीसी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला और एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल भी मौजूद हैं। सूत्रों के मुताबिक बैठक का मुख्य एजेंडा कर्नाटक में जाति जनगणना का मुद्दा है. इसके अलावा, हाल ही में बेंगलुरु में हुई भगदड़ की घटना पर भी चर्चा होगी। मुलाकात ने कर्नाटक की सियासत में हलचल बढ़ दी है, क्योंकि डीके के मुख्यमंत्री बनने की अटकलें तेज हो गई हैं।

कर्नाटक में जाति जनगणना लंबे समय से संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। सिद्धारमैया सरकार ने जनगणना को लेकर कदम उठाए हैं, लेकिन लागू करने में कई चुनौतियां सामने आई हैं। सूत्रों का कहना है कि खरगे और राहुल गांधी के साथ बैठक जाति जनगणना की प्रगति और इसके राजनीतिक प्रभावों पर केंद्रित हो सकती है। सिद्धारमैया और डीके इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाने की कोशिश में हैं, लेकिन पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

डीके का नाम सीएम पद के लिए पहले भी उछलता रहा है। 2023 में कांग्रेस की जीत के बाद सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री और शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। तब पार्टी ने दोनों नेताओं के बीच सत्ता साझेदारी का फॉर्मूला तय किया था, इसमें शिवकुमार को बाद में कथित तौर पर मुख्यमंत्री बनाने की बात हुई थी। अब, लोकसभा चुनावों में कर्नाटक में कांग्रेस के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन के बाद शिवकुमार के समर्थकों ने फिर से उनके लिए सीएम की कुर्सी की मांग शुरू कर दी है। उनकी वोकालिगा समुदाय में मजबूत पकड़ और संगठनात्मक कौशल को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल ही में बेंगलुरु में कार्यक्रम के दौरान हुई भगदड़ ने भी सरकार की फजीहत करा दी है। इस घटना में 11 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए थे, जिसके बाद विपक्ष ने सिद्धारमैया सरकार की लापरवाही पर सवाल उठाए। सूत्रों के अनुसार इस बैठक में मुद्दे पर भी चर्चा कर सकती है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोक सके।

मोदी सरकार में सरकारी योजनाओं का लाभ चेहरा देखकर नहीं, बल्कि जरूरत देखकर मिल रहा: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तुष्टिकरण नहीं, संतोष के लिए भारत सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बीते 11 सालों में विकास केवल नारे नहीं हैं, बल्कि विरासत और विकास का समन्वय करते हुए लोगों को साथ लेकर दुनिया में नई पहचान दिलाई गई है। अब सरकारी योजनाओं का लाभ चेहरा देखकर नहीं, बल्कि जरूरत देखकर मिल रही है। अब तुष्टिकरण के आधार पर नहीं, बल्कि संतोष के आधार पर कार्य योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद से मुक्त होकर, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। अगले 25 सालों के लिए कार्ययोजना बनाकर, इन 11 सालों में भारत ने न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष में, बल्कि सेवा, सुशासन और आर्थिक मोर्चे पर भी नई पहचान बनाई है।

सीएम योगी ने कहा कि इन 11 सालों में केंद्र सरकार ने हर वर्ग के लिए काम किया है। वंशवाद की राजनीति समाप्त हुई, नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लेकर एनडीए में भर्ती तक महिलाओं को अधिकार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर के बनाए संविधान का सम्मान हो रहा है, पहली बार संविधान दिवस मनाया जा रहा है। 2014 के पहले अविश्वास का भारत था, पिछले 11 वर्ष में भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। आज जब 11 वर्ष केंद्र सरकार के हो रहे हैं, तब जापान को पछाड़कर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है, भारत ने अपनी प्रति व्यक्ति आय बढ़ाई है, आज प्रति व्यक्ति आय लगभग ढाई लाख हुई है।

सीएम ने कहा कि यूपीए कार्यकाल के दौरान हाईवे निर्माण की स्पीड 11 किमी प्रतिदिन थी, आज यह 35 किमी/हर दिन बन रही है। देश के अंदर हाई स्पीड कॉरिडोर बन रहे है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का बेहतरीन मॉडल मेट्रो है, आज देश में 23 शहरों में मेट्रो संचालन हो रहा है, उत्तर प्रदेश में 6 शहरों में मेट्रो संचालित है। आज देश में 160 एयरपोर्ट बन गए हैं, उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद 16 एयरपोर्ट सक्रिय हैं, इसमें 4 इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं, 5वां जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बहुत जल्द सामने आ जाएगा।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी, अब तक कई खूंखार और ईनामी नक्सली ढेर

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान जारी है इसका असर अब साफ दिखाई देने लगा है जो इलाकों नक्सलियों का गढ़ माने जाते थे वहां अब सुरक्षा बलों का नियंत्रण और दबदबा हो गया है। हाल के महीनों में सुरक्षा बलों ने कई खतरनाक और मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडरों को ढेर कर दिया है, जिन पर लाखों का इनाम घोषित था। ये वह नाम थे, जो लंबे समय से लाल आतंक का चेहरा बने हुए थे।

सबसे बड़ी सफलता बीजापुर जिले में मिली जहां सुरक्षाबलों ने इंद्रावती नेशनल पार्क क्षेत्र में मुठभेड़ में नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी के सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर को मार गिराया था। सुधाकर नक्सल संगठन का शिक्षा प्रमुख था और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में उसकी अहम भूमिका थी। उस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। इसके बाद तेलंगाना कमेटी के सदस्य भास्कर को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया। भास्कर मंचेरियल-कोमाराम भीम डिविजनल कमेटी का सचिव था और उसके पास से आधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुआ था। उस पर 45 लाख रुपए का इनाम था।

नारायणपुर में हुई मुठभेड़ अब तक की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। यहां सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मौत के घाट उतार दिया था, जिनमें सबसे बड़ा नाम नंबाल्ला केशव राव उर्फ बसवराजू का था। बसवराजू सीपीआई-माओवादी का महासचिव था और देश का सबसे बड़ा वांटेड नक्सली नेता था। उस पर डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम रखा गया था। गरियाबंद में एक और बड़े ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने 16 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों में जयराम उर्फ चलपति भी शामिल था, जो सेंट्रल कमेटी का सदस्य और एक करोड़ का इनामी था। वह कई बड़े हमलों का मास्टरमाइंड रहा था।

इसके अलावा दामोदर उर्फ चोखा राव भी मारा जा चुका है। हालांकि, नक्सली संगठन उसका खंडन करते हुए दावा कर रहे हैं कि वह जीवित है। उस पर 50 लाख का इनाम था और वह कई राज्यों में मोस्ट वांटेड था। इन कार्रवाइयों से यह साफ होता है कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपने कमजोर दौर से गुजर रहा है और सुरक्षा बलों की आक्रामक रणनीति ने संगठन को भारी नुकसान पहुंचाया है।

कोरोना के बढ़ते मामलों पर डॉक्टरों ने कहा बूस्टर डोज की नहीं, सावधानी की जरुरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना मामले लगातार बढ़ रहे हैं। लोगों के मन में कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। किसी को लगता है कि बूस्टर डोज लगवाने से सुरक्षित हो जाएंगे तो कुछ लोगों का मानना है कि ये वायरस ज्यादा खतरनाक नहीं है। ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब जानकारों ने दिए हैं। उनका कहना है कि बूस्टर डोज की जरुरत नहीं है लेकिन सावधानी पूरी तरह रखना चाहिए। बुजुर्गों के लिए ज्यादा सतर्क रहने की जरुरत है। भारत को कोविड वैक्सीन के बूस्टर डोज पर जोर देने के बजाय अधिक जोखिम वाले लोगों को बचाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब भारत में 8 जून तक कोविड-19 से संक्रमित मरीजों की संख्या 6,133 दर्ज की गई। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, 28 अप्रैल को यह आंकड़ा महज 35 था।

इस मामले से अवगत स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फिलहाल केंद्र सरकार ने सभी लोगों के लिए इसे एक अभियान बनाने का कोई निर्देश नहीं दिया है। उन्होंने कहा, डॉक्टर मरीजों की जरूरतों के आधार पर बूस्टर डोज लेने की सिफारिश कर सकते हैं। मगर कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि हालिया कोविड लहरों के दौरान हर्ड इम्युनिटी ने उसकी गंभीरता और प्रसार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। मगर यह भविष्य में होने वाले उछाल को रोकने के लिए अपने आप में पर्याप्त नहीं हो सकती है, खासकर कमजोर लोगों के बीच।

संयुक्त राष्ट्र कोविड-19 टास्क फोर्स की रणनीतिकार और सलाहकार (सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सेवा) सबाइन कापसी ने कहा, 'पहले के संक्रमण एवं प्राथमिक टीकारण के व्यापक प्रभाव को देखते हुए ऐसा लगता है कि सभी लोगों के लिए बूस्टर डोज की तब तक कोई खास जरूरत नहीं है जब तक कि कोई गंभीर नया वेरिएंट न दिखे। बूस्टर डोज लेना वैकल्पिक हो सकता है लेकिन अभी उसे अनिवार्य बनाने की जरूरत नहीं है।

डॉ. समीर भाटी ने कहा कि देश ने एक व्यवस्थित दृष्टिकोण के साथ पहली और दूसरी खुराक के जरिये व्यापक कवरेज हासिल किया है, लेकिन समय के साथ-साथ प्रतिरोधक क्षमता स्वाभाविक तौर पर कम हो जाती है। उन्होंने कहा, 'इससे कोविड के प्रति संवेदनशील लोगों की अच्छी खासी आबादी तैयार हो गई होगी जिनकी प्रतिरोधक क्षमता पिछले 12 से 18 महीनों के दौरान काफी काफी कम हो गई होगी।' अब कोविड-19 के संक्रमण मामलों में मौसमी उतार-चढ़ाव दिखने की उम्मीद है। डॉक्टरों का कहना है कि मौजूदा उछाल वायरस के अन्य मौसमी संक्रमण जैसे कि इन्फ्लूएंजा के साथ फैलने का उदाहरण है। भारत में ओमिक्रॉन वेरिएंट के कारण कोविड संक्रमण के मामलों में मौजूदा तेजी दिख रही है। इसकी पहचान सबसे पहले 2021 के आखिर में हुई थी। इसके उभरते सब-वेरिएंट जैसे एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 शामिल हैं, जो जेएन.1 श्रेणी के हैं। गुरुग्राम के सीके बिरला हॉस्पिटल में कंसल्टेंट (इंटरनल मेडिसिन) तुषार तयाल ने कहा कि बूस्टर डोज की लॉजिस्टिकल एवं वित्तीय लागत

के मद्देनजर भारत को जोखिम आधारित दृष्टिकोण अपनाने से काफी फायदा हो सकता है।सरकार के कोविन डैशबोर्ड के अनुसार, देश में अब तक कोविड-19 टीकों की 2.2 अरब से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। इनमें मुख्य रूप से एस्ट्राजेनेका की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सिन शामिल हैं। पहली खुराक की संख्या 1.02 अरब और दूसरी खुराक की 95.1 करोड़ रही, लेकिन अब तक 22.7 करोड़ लोगों को ही बूस्टर डोज दी गई है।

धोनी आईसीसी हाल ऑफ फेम में शामिल

मुंबई (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। धोनी आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किये गये 11वें भारतीय क्रिकेटर हैं। साल 2004 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही धोनी ने 2007 में पहले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए उसे जीत दिलायी थी। उन्होंने 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। वह आईसीसी की सीमित ओवरों की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले अकेले कप्तान हैं। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम साल 2009 में पहली बार आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची थी। उन्होंने 2020 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने सभी आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं।

आईसीसी ने धोनी के नाम की घोषणा करते हुए कहा, कठिन हालातों में भी अपने शांत स्वभाव और अनूठे रणनीतिक कौशल के लिए जाने जाने के साथ ही साथ ही छोटे प्रारूपों में शीर्ष स्तर के खिलाड़ी और सबसे महान फिनिशर, नेतृत्वकर्ता और विकेटकीपर के रूप में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए आईसीसी उन्हें क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल करता है। साथ ही कहा, भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 शिकार और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैच के साथ धोनी के आंकड़े ना केवल उत्कृष्टता बल्कि असाधारण स्थिरता, फिटनेस और लंबे करियर को दिखाते हैं। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि यह सम्मान हमेशा उनके साथ रहेगा।

वहीं धोनी ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है, जो विभिन्न पीढ़ियों और दुनिया भर के क्रिकेटरों के योगदान को मान्यता देता है। ऐसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों के साथ आपका नाम याद किया जाना एक अद्भुत एहसास है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। गौरतलब है कि धोनी ने अपने करियर में 350 एकदिवसीय मैचों में 50.57 की औसत से 10773 रन बनाए। उन्होंने 90 टेस्ट मैचों में 38.09 की औसत से 4876 रन बनाये। वहीं, धोनी ने 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 37.60 की औसत से 1617 रन बनाये। विकेटकीपिंग की बात की जाये तो वह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार करने वाले भारतीय विकेटकीपर हैं। वहीं विश्वस्तर पर वह तीसरे नंबर के विकेटीपर हैं। आईसीसी ने अब तक अपने हॉल ऑफ फेम 2025 में सात क्रिकेटरों को शामिल किया, जिसमें पांच पुरुष और दो महिला खिलाड़ी हैं। धोनी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर मैथ्यू हेडन, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज हाशिम अमला और पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को भी सम्मानित किया गया। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी को भी इस सूची में जगह मिली है। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सना मीर और न्यूजीलैंड की पूर्व क्रिकेटर सारा टेलर को भी शामिल किया गया। हॉल ऑफ में शामिल भारतीय क्रिकेटर हैं सुनील गावस्कर , बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, वीनू मांकड़, डायना एडुल्जी,वीरेंद्र सहवाग, नीतू डेविड, धोनी

डबल्यूटीसी फाइनल में स्मिथ और रबाडा के बीच होगा कड़ा मुकाबला

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डबल्यूटीसी) के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा के बीच कड़ा संघर्ष होने की संभावना है। स्मिथ जहां बड़ा स्कोर बनाने उतरेंगे वहीं रबाडा की नजरें उनके विकेट पर रहेंगी। अब तक इन दोनो के बीच 15 पारियों में टक्कर हुई है। इस दौरान स्मिथ ने 262 गेंद में 128 रन बनाये हैं। वहीं रबाडा ने उन्हें चार बार आउट किया है। रबाडा के खिलाफ स्मिथ का स्ट्राइक रेट 32.00 रहा है। इस दौरान स्मिथ ने 16 चौके और दो छक्के लगाये हैं।

वहीं लॉर्ड्स की बात करें तो इसमें रबाडा का प्रदर्शन अच्छा रहा है। उनका औसत 19.38 है, जो फाइनल में खेलने वाले सभी गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ है)। वह ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस 21.10, जोश हेजलवुड 26.15 और मिशेल स्टार्क 33.62 से पीछे हैं। उन्होंने इस स्थल पर खेले गए इन दो टेस्ट मैचों में 13 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/52 रहा है। दूसरी ओर स्मिथ भी लॉर्ड्स में खासे सफल रहे हैं। उन्होंने यहां पांच टेस्ट और 9 पारियों में 58.33 की औसत से 525 रन बनाए हैं जिसमें 9 पारियों में दो शतक और अर्द्धशतक शामिल हैं। इस स्थल पर उनकी आखिरी पारी 2023 एशेज में इंग्लैंड के खिलाफ 110 रनों की पारी थी। हाल में 10,000 रन पूरे करने वाले स्मिथ रबाडा की तेज गेंदों का लाभ उठाना चाहेंगे। स्मिथ का आईसीसी नॉकआउट मैचों में शानदार रिकॉर्ड है, जिसमें उन्होंने 12 मैचों और पारियों में 58.40 की औसत से 584 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और चार अर्द्धशतक शामिल हैं, जिसमें सर्वश्रेष्ठ 2023 फाइनल में भारत के खिलाफ 121 रन है।

वहीं रबाडा के पास टेस्ट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने आंकड़े सुधारने का मौका है, क्योंकि वह प्रोटियाज आइकन एलन डोनाल्ड को पछाड़कर टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से बस कुछ ही विकेट दूर हैं और दिग्गज ऑलराउंडर जैक्स कैलिस को पछाड़कर अपनी टीम के पांचवें सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे।

रबाडा टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के लिए पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं जिन्होंने 22.00 की औसत से 327 विकेट लिए हैं जिसमें 7/112 का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा और 16 बार 5 विकेट का रिकॉर्ड शामिल है। चार और विकेट उन्हें डोनाल्ड (1992-2002 तक 72 टेस्ट में 330 विकेट) से ऊपर ले जाएंगे। टेस्ट में प्रोटियाज के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज डेल स्टेन हैं जिन्होंने 93 टेस्ट में 22.95 की औसत से 439 विकेट लिए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रबाडा सभी प्रारूपों में 241 मैचों में 24.27 की औसत से 566 विकेट लेकर सर्वकालिक चार्ट में छठे स्थान पर हैं जिसमें 7/112 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े और 18 बार 5 विकेट शामिल हैं।

नेहाल वढेरा का दर्द छलका- मेरी वजह से हारी पंजाब किंग्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 फाइनल में मिली हार अभी तक पंजाब किंग्स के बल्लेबाज नेहाल वढेरा को चुभ रही है। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले नेहाल फाइनल में पंजाब को जीत की राह नहीं दिखा पाए थे। रोमांचक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने विराट कोहली की 43 रन की पारी की बदौलत 190/9 का स्कोर बनाया। जवाब में पंजाब किंग्स की टीम नियमित अंतराल पर विकेट खोती रही, लेकिन शशांक सिंह ने एक छोर से रन गति जारी रखी जिससे मुकाबला जिंदा रहा। लेकिन अंत में आरसीबी जीतने में सफल रही। शशांक ने आखिरी ओवर में 4 छक्के लगाए लेकिन यह जीत के लिए काफी नहीं थे। किंग्स को मात्र 6 रन से हार झेलनी पड़ी।

नेहाल वढेरा को भी आलोचना का सामना करना पड़ा, क्योंकि इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 18 गेंदों में केवल 15 रन बनाए, जिसमें सिर्फ एक छक्का शामिल था। उनकी धीमी पारी के कारण पंजाब की टीम रन गति में तेजी को बरकरार नहीं रख पाई। अपने इस प्रदर्शन के लिए नेहाल को काफी नफरत झेलनी पड़ी थी। हाल ही में वढेरा ने एक इंटरव्यू में हार के लिए

खुद को जिम्मेदार ठहराया। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि अगर वह समय पर रन गति बढ़ा पाते तो पंजाब किंग्स अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत सकता था। वढेरा ने कहा कि मैं आईपीएल 2025 फाइनल की हार के लिए पूरी तरह खुद को जिम्मेदार मानता हूं। अगर मैं बेहतर खेलता तो हम आईपीएल जीत सकते थे। टूर्नामेंट में पहले जब मुझे तेजी लानी थी, मैंने ऐसा किया और यह कारगर रहा, सिवाय आखिरी मैच के।

वढेरा ने स्वीकार किया कि वे सीजन के सबसे महत्वपूर्ण मैच में प्रभाव नहीं डाल सके। हालांकि 24 वर्षीय खिलाड़ी का टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा और वे रनों के मामले में अव्वल रहे। शुरुआत में वे प्लेइंग इलेवन में पहली पसंद नहीं थे, लेकिन कुछ मैचों के बाद उन्होंने अपनी जगह पक्की की। उन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाया और 16 पारियों में 369 रन बनाए।

पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। पूरन अभी 29 साल के ही हैं और उनका प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा है, ऐसे में उनके संन्यास लेने से प्रशंसक निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी कहा है कि उसे पूरन ने संन्यास लेने की जानकारी दी है। पूरन हाल ही में संन्यास लेने वाले दूसरे क्रिकेटर हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

पूरन ने संन्यास की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया में लिखा, मैंने काफी सोचने और विचार-विमर्श करने के बाद खेल से संन्यास की घोषणा की हे। यह खेल जिससे हम प्यार करते हैं, उसने बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा। मैरून जर्सी पहनना, राष्ट्रीय गीत के लिए खड़े होना, और हर बार मैदान पर उतरते समय अपना सब कुछ देना गर्व का अनुभवी कराती है। इसके साथ ही टीम का कप्तान होना भी एक ऐसा सौभाग्य है, जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब मानता हूं।

उन्होंने साथ ही लिखा, प्रशंसकों के प्यार के लिए मैं उनका आभारी हूं। साथ ही कहा कि आपने कठिन पलों में मुझे संभाला और बेहतरीन जुनून के साथ अच्छे पलों का जश्न मनाया। अपने परिवार, दोस्तों और टीम के साथियों के लिए मैं कहना चाहूंगा कि मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद। आपके विश्वास और समर्थन से ही मैं यहां तक पहुंचा हूं।

गौरतलब है कि इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने साल 2014 के अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में वेस्टइंडीज की ओर से खेला था, वहीं साल 2016 में उन्हें टी20आई प्रारुप में सीनियर टीम की ओर से खेलने का अवसर मिला।

इसके बाद 2018 में पूरन ने एकदिवसीय प्रारुप में डेब्यू किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन के कारण 2019 विश्व कप में अवसर मिला।

साल 2021 में पूरन पुरुष टी20 विश्व कप के लिएव टीम के उप-कप्तान बनाये गये जबकि और साल 2022 में उन्हें सीमित ओवरों की कप्तानी मिली।

पूरन ने वेस्टइंडीज की ओर से 61 एकदिवसीय में 39.66 के औसत से 1983 रन बनाये हैं। इस दौरान पूरन ने तीन शतक और 11 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं 106 टी20आई मुकाबलों में उनके नाम 13 अर्धशतक से 2275 रन हैं। इस प्रारुप में उनका औसत 26.14 रन रहा है।

काउंटी चैम्पियनशिप, वनडे कप के लिए यॉर्कशर से जुड़ेंगे रूतुराज गायकवाड़

लीड्स । भारतीय बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ काउंटी चैम्पियनशिप डिविजन वन के पांच मैचों और वनडे कप के लिए यॉर्कशर टीम से जुड़ेंगे। यॉर्कशर को सर्रे के खिलाफ जुलाई में काउंटी मैच खेलना है। गायकवाड़ सत्र के आखिर तक टीम के साथ रहेंगे। क्लब ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी। गायकवाड़ इस समय इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम का हिस्सा हैं जिसने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनधिकृत चार दिवसीय टेस्ट खेले। अब भारत ए टीम 13 से 16 जून तक भारतीय सीनियर टीम के खिलाफ बेकेनहम में चार दिवसीय मैच खेलेगी। यॉर्कशर ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'इंडियन प्रीमियर लीग की चेन्नई सुपर किंग्स और रणजी ट्रॉफी की महाराष्ट्र टीम के कप्तान पुणे के रहने वाले रूतुराज गायकवाड़ छह वनडे और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।' इसमें कहा गया, 'दाहिने हाथ का यह बल्लेबाज शीर्ष चार में कहीं भी उतर सकता है और भारत के लिये पारी का आगाज भी कर चुका है।' गायकवाड़ ने कहा, 'मैं हमेशा से यहां काउंटी क्रिकेट खेलना चाहता था और यॉर्कशर से बड़ा इंग्लैंड का कोई क्लब नहीं होगा।'

प्रो लीग : लगातार दो हार के बाद अर्जेंटीना के खिलाफ जीत की राह पर लौटना चाहेगा भारत

एम्सटेलवीन (एजेंसी)। लगातार दो मैच हार चुकी भारतीय पुरूष हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ बुधवार को एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के अगले मैच में आखिरी मिनटों में गोल गंवाने और पेनल्टी कॉर्नर तब्दील नहीं कर पाने की अपनी कमजोरी से पार पाना होगा। भारतीय टीम के लिये यूरोप चरण की शुरूआत खराब रही और उसे नीदरलैंड ने पहले दो मैचों में 2.1 और 3.2 से हराया। दोनों मैचों में भारत ने बढत बनाने के बाद आखिरी मिनटों में गोल गंवाए। इसके अलावा भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी बेहतर करना होगा।

पिछले मैच में नौ में से एक पेनल्टी कॉर्नर को ही भारतीय टीम गोल में बदल सकी। अभी इस चरण में छह मैच खेले जाने बाकी हैं और भारत 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। प्रो लीग के जरिये अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाने

की कोशिश में जुटी भारतीय टीम को बाकी मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अब भारत को अर्जेंटीना से दो मैच खेलने हैं जिसके बाद आस्ट्रेलिया और फिर बेल्जियम का सामना करना होगा।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'हमें पता है कि अर्जेंटीना के खिलाफ कड़ी चुनौती होगी। टीम काफी मेहनत कर रही है और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। अर्जेंटीना मजबूत टीम है और इस स्तर पर कोई मैच आसान नहीं होता।' दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबलों में भारत का पलड़ा भारी रहा है। पेरिस ओलंपिक में दोनों टीमों का मुकाबला ड्रॉ रहा था। प्रो लीग 2023-24 में भारत ने अर्जेंटीना को दो बार हराया था और दूसरी जीत शूटआउट में मिली थी।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम पूरी तरह से तैयार हैं। हमने इस टूर्नामेंट की काफी तैयारी की है और कई संयोजन आजमाए। हमें अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।' अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को प्रो लीग में एकमात्र पराजय 2022 में भुवनेश्वर में मिली थी। भारतीय कप्तान ने कहा, 'टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड है लेकिन हम कुछ भी हलके में नहीं ले रहे। ये नतीजे अतीत के हैं और हमें विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने के लिये अभी अच्छा खेलना है। हम मेहनत कर रहे हैं और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।'

पुजारा सहित कई पूर्व क्रिकेट बोले, भारतीय टीम को इंग्लैंड में हालात के अनुरुप ढ़लना होगा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटरों ने कहा है कि शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को इंग्लैंड में सफलता के लिए हालात के अनुसार ढ़लना होगा। इस सीरीज में भारतीय टीम को रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरना है। इसी को देखते हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि पांच टेस्ट मैचों की यह सीरीज भारत के लिए विशेष हो सकती है। इसमें उसके युवा खिलाड़ अपने कौशल से कमाल कर सकते है1 वहीं भारतीय टी के पूव क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'भारत को इंग्लैंड के हालात के अनुरूप ढलना होगा। ऐसे में अनुशासन, संयम और एक दूसरे का सहयोग अहम रहेगागा। टीम के हर खिलाड़ी को योगदान देना होगा। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा, 'इंग्लैंड दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन मजेदार भी रहता है। हालात के अनुकूल ढलना अहम होगा और मुझे भरोसा है कि युवा खिलाडी अपने निडर अंदाज से जीत हासिल करेंगे। गेंदबाजी में हमारे पास अनुभव और स्थिरता है जिसका लाभ टीम को मिलेगा। पूर्व ऑलराउंड इरफान पठान ने कहा, 'भारत की नई टीम के सामने इंग्लैंड की कठिन चुनौती है पर मैं कह सकता हूं कि हालात के अनुरूप ढलने पर सब कुछ आसान हो जाएगा। शुभमन की कप्तानी,में युवओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन ने कहा कि 25 वर्ष के गिल को टेस्ट कप्तान बनाना साहसिक फैसला है और यह निर्णायक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल भारतीय टेस्ट क्रिकेट का नया चेहरा है । इंग्लैंड दौरे के लिए उसे कप्तान बनाने का फैसला साहसिक है। उसे बहुत कुछ साबित करना होगा लेकिन उसने दिखा दिया है कि वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है। ऋषभ पंत उप-कप्तान है और यह टीम खुद को साबित करने के लिए बेताब है।

दक्षिण अफीका को हराकर डब्ल्यूटीसी खिताब बरकरार रखने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई टीम बुधवार से शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर एक बार फिर खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। उसने आईसीसी की सभी ट्रॉफी जीती हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। है। आईसीसी टूर्नामेंटों में वह और भी आक्रामक बनकर उतरती है। वह आईसीसी टूर्नामेंटों में 13 बार फाइनल में पहुंची है जिसमें में 10 बार उसने जीत हासिल की है। ऐसे में इस बार भी उसकी दावेदारी प्रबल मानी जा रही है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम अहम मैचों में दबाव में ढ़ह जाती है। ये एक नहीं कई बार की कहानी रही है जिससे इस बार दक्षिण अफ्रीकी युवा टीम बदलना चाहेगी। इस टीम ने अब तक आईसीसी का केवल एक टूर्नामेंट जीता है। टीम ने केवल 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता था हालांकि इस बार दक्षिण अफ्रीका की इस टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है जिसका लाभ वह उठाना चाहेगी। टीम ने डब्ल्यूटीसी के 2023-25 चक्र में सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया। इसमें से ज्यादातर खिलाड़ी सही समय पर रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले निकले। टीम लगातार सात टेस्ट में जीत के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। उसने पिछले साल दिसंबर में ही अपनी जगह पक्की कर ली थी। ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछले फाइनल जैसी ही है। केवल उसमें इस बार डेविड वार्नर नहीं हैं। मध्यम गति के गेंदबाज जोश हेजलवुड उस मैच को चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। वह हालांकि उस टीम में शामिल रहे स्कॉट बोलैंड की जगह लेने के लिए तैयार है। हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरते हुए पिछले सप्ताह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई है। वह उसी प्रदर्शन को बनाये रखना चाहेंगे। वहीं टीम में शामिल 19 साल के सैम कोंस्टास से भी उसे उम्मीदें हैं। ट्रेविस हेड पहली बार की तरह ही इस बार भी अपनी भूमिका निभाने उतरेंगे। मध्यक्रम में मार्नस लाबुशेन को खराब फॉर्म से बाहर आने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी भी अच्छी है। उसके पास कप्तान पैट कमिंस के अलाव जोश हेजलवुड , मिशेल स्टार्क जैसे गेंदबाज है।

पंजाब किंग्स के बल्लेबाज ने की भविष्यवाणी, अगले साल हम फाइनल खेलेंगे और ट्रॉफी भी जीतेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स का पहला इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने का सपना 6 रन से टूट गया क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार 3 जून को फाइनल में जीत दर्ज की। पंजाब के बल्लेबाज शशांक सिंह की आखिरी क्षणों में की गई शानदार पारी की बदौलत टीम RCB के 190 रनों के करीब पहुंच गई, हालांकि टीम जीत नहीं पाई। शशांक ने अब कहा कि अंतिम ओवर में जोश हेजलवुड की फुल टॉस चूकने की बात उन्हें अभी भी परेशान करती है। साथ ही उन्होंने बोल्ड बयान देते हुए कहा कि पंजाब किंग्स अलगे साल बेंगलुरू में फाइनल खेलेंगी और हम ट्रॉफी भी जीतेंगे।

शशांक ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, 'मैंने आखिरी दो ओवरों का हिसाब लगाया था, भुवी को यॉर्कर पसंद है, इसलिए मैंने उनसे कम से कम 16-17 रन लेने की योजना बनाई थी। मेरा हिसाब था कि आखिरी ओवर में हमारा लक्ष्य 6 गेंदों में 24 रन होना चाहिए। हालांकि भुवी के ओवर में मुझे केवल 13 रन मिले, इसलिए अंतिम ओवर में 30 रन चाहिए थे।'

उन्होंने कहा, 'मानसिक रूप से, मेरा दिमाग हेजलवुड की पहली गेंद पर यॉर्कर लेने के लिए तैयार था। इसलिए मैंने खुद को तैयार किया, लेकिन मैंने कभी भी फुल टॉस की उम्मीद नहीं की, वह भी मेरे जांघ के पैड पर। अब मुझे लगता है, अगर मैं इसे कनेक्ट कर लेता, भले ही यह बल्ले के हैंडल पर लग जाता, तो मैं अधिकतम रन बना सकता था, क्योंकि फाइन-लेग पास था। मैं उनसे वाइड की उम्मीद कर रहा था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब मैंने स्कोरबोर्ड देखा, जिसमें बताया गया था कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए, तो मुझे पता था कि सब खत्म हो गया है।'

अंतिम ओवर की पहली गेंद पर फुल टॉस चूक जाना अभी भी शशांक को परेशान करता है। उन्होंने कहा, 'मैं एक मजबूत व्यक्ति हूं, लेकिन जब मैंने पांचवीं गेंद पर छक्का मारा और मैंने देखा कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए थे, तो मैं खुद को नियंत्रित नहीं कर सका। मुझे एहसास हुआ कि सब खत्म हो गया है। जब मैं ड्रेसिंग रूम में आया, तो हर कोई आया और पूछा, मैं क्यों रो रहा हूं? मैंने उनसे कहा, मुझे अपने आप आंसू आ रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैं जहां भी गया, लोगों ने मेरी बल्लेबाजी की सराहना की, लेकिन सभी मुझे उस एक फुल टॉस मिस की याद दिला रहे हैं। मुझे बहुत बुरा लगा। गेंद मेरे कूल्हे पर थी, स्क्वायर लेग ऊपर था, मुझे बस उसे बल्ले को

हिट करना था, जो मैं नहीं कर सका। होटल से लेकर एयरपोर्ट, ग्राउंड से लेकर घर तक, हर किसी का एक ही मतलब था कि भैया वो गेंद मार देते बस।'

बल्लेबाज ने न केवल बेंगलुरू में आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह बनाने का संकल्प लिया है, बल्कि खिताब भी जीतने को भी बात की। उन्होंने कहा, 'अगले साल हम निश्चित रूप से बेंगलुरू में फाइनल खेलेंगे और हम ट्रॉफी भी जीतेंगे।'

अभी संन्यास का इरादा नहीं - ख्वाजा

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले कहा है कि अभी

उनके संन्यास लेने की कोई योजना नहीं है। ख्वाजा के अनुसार वह अभी भी अपने खेल के शीर्ष पर हैं और अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है। इस बल्लेबाज ने कहा है कि समय आने पर वह संन्यास को लेकर अपनी बातें सबके सामने रखेंगे। उनका कहना है कि अभी वह समय नहीं आया है। उस्मान ने पूरे डब्ल्यूटीसी चक्र के दौरान ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे अधिक कुल 1,422 रन बनाए हैं। वह मौजूदा चक्र के दौरान टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। ख्वाजा ने कहा, मेरे लिए बढ़ती उम्र कोई पैमाना नहीं है क्योंकि मैं अभी भी अपने खेल का आनंद उठा रहा हूं। अभी भी वास्तव में कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हूं, मैं अभी भी रन बना रहा हूं, अभी भी टीम में अपना योगदान दे रहा हूं।उन्होंने आगे कहा, मैं कुछ भी अलग नहीं सोचता। मैं वास्तव में इस समय अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं। जिस चीज की शुरुआत होती है, उसका अंत भी होता है। मुझे नहीं पता कि वह अंत कब होगा। जब संन्यास का समय आएगा, तो मैं दिल से ऐसा करूंगा, चाहे वह कुछ भी हो।

कुनिका ने बताया कंगना को क्यों पसंद नहीं करती इंडस्ट्री?

अभिनेत्री कंगना रनौत अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती है, जो एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। हालांकि, इस बार उनपर टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस कुनिका सदानंद ने कटाक्ष करते हुए कहा कि वो सिर्फ बकवास करती हैं। साथ ही उन्होंने कंगना रनौत को ना पंसद करने की वजहें भी बताई हैं।

वे हमेशा नकारात्मक रहती हैं

कई फिल्मों और टीवी शो में काम कर चुकीं अभिनेत्री कुनिका सदानंद हाल ही में मेरी सहेली पॉडकास्ट में पहुंची। बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने अभिनेत्री कंगना रनौत के बारे में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा, 'उनके मुंह से कोई मीठी बात निकलती है क्या? जब देखो बकवास। वह हमेशा नकारात्मक रहती हैं और जिस थाली में खाती हैं, उसी थाली में छेद करती हैं। इंडस्ट्री ने उन्हें उठाया और हीरोइन बनाया। आप एक बाहरी व्यक्ति थे, लेकिन फिर भी आपको मौका मिला, है ना? क्या शाहरुख खान, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और इरफान खान बाहरी नहीं थे?'

ना जाने कहां से मिलती है उन्हें फंडिंग

आगे बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उन्हें अपनी फिल्मों के लिए फंडिंग कहां से मिलती है और उनकी हर फिल्म फ्लॉप हो जाती है। मेरा मतलब है कि मैं वास्तव में चाहती हूं कि उनकी फिल्में सफल हों, क्योंकि मैं वास्तव में एक एक्टर के रूप में उनकी प्रशंसा करती हूं। आपको मणिकर्णिका के लिए फंडिंग मिली, फिर आपने एक निर्देशक को काम पर रखा, लेकिन बाद में आप असुरक्षित होने के कारण उनकी भूमिकाएं काट देती हैं।'

कुनिका सदानंद के बारे में

कुनिका सदानंद एक टीवी अभिनेत्री होने के साथ-साथ बॉलीवुड की भी हीरोइन रह चुकी हैं। एक्ट्रेस ने 'दाग- द फायर', 'प्यार किया तो डरना क्या', 'हम साथ-साथ हैं', 'राजा को रानी से प्यार हो गया', 'पेज 3' और 'शादी करके फंस गया यार' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

पांच साल पहले समझ आया कि एक्टिंग क्या है

वामिका गब्बी सिर्फ अभिनेत्री नहीं, एक खोज हैं। अपने किरदारों में, अपने भीतर और ज़िंदगी की परतों में। एक ओर जहां उन्होंने विशाल भारद्वाज जैसे दिग्गज फिल्मकार के साथ चार-चार प्रोजेक्ट्स में काम करके अपनी ऐक्टिंग को नया आकार दिया, वहीं दूसरी ओर ओशो की शिक्षाओं से आत्म-बोध की राह भी पकड़ी। वामिका खुद कहती हैं कि अभिनय की असली समझ उन्हें सिर्फ़ पांच साल पहले आई, जब विशाल सर की वर्कशॉप ने उनके भीतर की खिड़कियां खोल दीं। 'भूल चूक माफ' नाम की अपनी नई फिल्म में उन्होंने पहली बार कॉमिडी की और इस चुनौती को भी आत्मविश्वास से पार किया। वामिका मानती हैं कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए सिर्फ तकनीक नहीं बल्कि संतुलित निजी जीवन, रिश्तों की गहराई और मानसिक शांति भी जरूरी है। उनकी बातों में न सिर्फ एक कलाकार की परिपक्वता झलकती है बल्कि एक जागरूक इंसान की सोच भी।

विशाल भारद्वाज सर ने मेरी ऐक्टिंग को संवारा है

मैं इतनी खुशकिस्मत हूं कि विशाल भारद्वाज जैसे इतने बड़े डायरेक्टर ने मुझे लिया। मैं, डैड और भाई उनके इतने बड़े फैन हैं कि क्या बताएं। उनके साथ काम करना मेरे लिए सपने की तरह था। उन्होंने मुझे खुद अपनी फिल्मों के लिए सिलेक्ट किया। दूसरी बार जब उन्होंने फिर से काम करने को कहा तो मैं खुद शॉक्ड रह गई। यकीन नहीं हो रहा था लेकिन बाद में समझ आया कि ऐसा उन्होंने पहले भी तब्बू जी और प्रियंका चोपड़ा के साथ किया था। उन्हें किसी के साथ लगे कि ये अच्छा काम करती है तो वह उसके साथ फिर से काम करते हैं। मैंने उनके साथ चार प्रोजेक्ट किए हैं। उनसे जो सीखने को मिला, उस अनुभव ने कहीं ना कहीं मेरी थिंकिंग को शेप दिया। अब समझ आ गया कि कैसे प्रोजेक्ट्स को हां करना और किसको ना करना है। उनके साथ ने मेरी ऐक्टिंग को बहुत संवार है। मेरे ऐक्टिंग करियर में उनका बड़ा योगदान है।

पहले मैं टिपिकल हीरोइन टाइप ऐक्टिंग करती थी

मैंने विशाल भारद्वाज जी की वर्कशॉप में सीखा कि किसी सीन को किस तरह बेहतर किया जा सकता है। दरअसल, मैंने कहीं से ऐक्टिंग सीखी नहीं है। उससे पहले तक लगता था कि मैं बहुत टिपिकल हिरोइन टाइप ऐक्टिंग करती थी। जहां रोना, जहां हंसना, जहां गुस्सा करना है, सब एक जैसे हो जाते थे। उसमें कोई एडिशन नहीं था और ना वैरायटी। वर्कशॉप के बाद ऐसा लगा कि किसी ने मेरे दिमाग की खिड़कियां खोल दी हैं। फिर समझ आया कि यह तो समुंदर है। इसमें हरेक कैरेक्टर का रोना-हंसना अलग हो सकता है। मुझे समझ आया कि ये चीज ही बहुत अलग है। देखा जाए तो मुझे पांच साल पहले समझ आया था कि ऐक्टिंग होती क्या है और कितनी कठिन है। उसके बाद से मेरे करियर का ग्राफ जो बदला है, उसे मैं बता नहीं सकती।

पहली बार कॉमिडी करने से पहले नर्वस थी

फिल्म करते समय बहुत सी चुनौतियां थीं। मैं पहली बार कॉमिडी कर रही थी। इससे पहले, विशाल भारद्वाज, विक्रम मोटवानी जी, रंजन चंदेल के साथ काम किया। उन सबमें ड्रामा, सीरियसनेस, रोमांस था लेकिन मैंने कॉमिडी नहीं की थी। सच में, मैं बहुत नर्वस थी। कॉमिडी में सबसे बड़ा चैलेंज यह था कि मैं इसे कर सकती हूं या नहीं लेकिन इस फिल्म के बाद मुझे कॉन्फिडेंस आ गया कि कर सकती हूं। अब मैंने आगे जो फिल्में साइन की हैं, वो कॉमिडी ही हैं। मैं बहुत उत्साहित हूं कि आगे मैं कुछ और नया सीखूंगी।

समझ गए थे कि हम सही रास्ते पर हैं

फिल्म में टाइम लूप का कॉन्सेप्ट है। जैसे हॉलिवुड की मूवी है ग्राउंड हॉग डे। बेसिकली, इसमें हॉलिवुड की तरह टाइम लूप का कॉन्सेप्ट सेम है लेकिन वही अगर बनारस की गलियों में कर रहे हैं तो वो कैसे एक जैसा लगेगा। यहां के किरदार बहुत कलरफुल हैं। इन सबने फिल्म में जान डाल दी। आगे जाकर अगर कोई ऐसी फिल्म बॉलिवुड में बनाएगा तो हमारा ही उदाहरण लिया जाएगा। इंडिया में यह कॉन्सेप्ट इतना इस्तेमाल नहीं हुआ है। मुझे लगता है कि यह बड़े गर्व की बात है कि इस टाइम लूप को हम हिंदी फिल्मों में इस्तेमाल कर रहे हैं। हम जब स्क्रिप्ट पढ़ते थे तो वो मजेदार लगती थी लेकिन पता नहीं था कि शूट करते वक्त इतना ज्यादा मजा आएगा। आपको पता चल जाता है कि क्या बन रहा है और वो कहां तक जाएगा। हम जब शूट कर रहे थे, तभी समझ में आ गया था कि हम सही रास्ते पर हैं

हम अच्छी फिल्में बनाना चाहते हैं लेकिन...

अनुराग कश्यप अपनी बेबाकी के लिए मशहूर हैं। वो अक्सर अपने बयानों के चलते कई बार मुश्किलों में भी घिर चुके हैं। कुछ दिनों पहले ही अनुराग ने मुंबई छोड़ने और इंडस्ट्री के खत्म होने की बात कही थी। अब अनुराग ने फिल्म मेकर्स की क्रिएटिविटी को लेकर निराशा और मनचाही फिल्में न बना पाने व अपनी अब तक रिलीज नहीं होने वाली फिल्मों को लेकर बात की है। बातचीत में अनुराग ने फिल्म मेकर्स की क्रिएटिव हताशा को लेकर बात की। उन्होंने कहा, हम सभी को क्रिएटिविटी के मामले में निराश होना पड़ता है। हम अच्छी फिल्में बनाना चाहते हैं, लेकिन लोग उन्हें नहीं समझते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि जितनी अधिक अच्छी फिल्में रिलीज होंगी, उतना ही उन्हें एहसास होगा कि उन्हें एल्गोरिदम या बॉक्स ऑफिस के आधार पर फिल्में देखने का फैसला नहीं लेना करना चाहिए।

अनुराग की अब तक पांच फिल्में नहीं हुईं रिलीज

इस दौरान अपनी उन फिल्मों के बारे में भी अनुराग कश्यप ने बात की, जो बनने के बाद भी किन्हीं कारणों से रिलीज नहीं हो सकीं। निर्देशक ने कहा, मेरी पहली फिल्म 'पांच' रिलीज नहीं हुई थी। यही नहीं मेरी पांच फिल्में अभी रिलीज नहीं हुई हैं, 'पांच' उनमें से एक है। अब इन पांच में से दो फिल्में रिलीज हो रही हैं और उम्मीद है कि तीसरी फिल्म भी रिलीज होगी।

'स्टोलेन' के प्रमोशन में लगे हैं अनुराग

अनुराग कश्यप इन दिनों अभिषेक बनर्जी की हालिया रिलीज 'स्टोलेन' के प्रमोशन में बिजी हैं। ओटीटी पर रिलीज हुई इस फिल्म से अनुराग एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं। अनुराग के साथ किरण राव, निखिल आडवाणी और विक्रमादित्य मोटवानी इस प्रोजेक्ट के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इस सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म का फिल्म का निर्देशन करण तेजपाल ने किया है।

अल्लू अर्जुन की हीरोइन बनेंगी दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में हैं। उन्हें फिल्म स्पिरिट से बाहर कर दिया गया था। इसी बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस को कल्कि 2 से भी हटाया जा सकता है। दरअसल, फिल्म 'स्पिरिट' के दौरान दीपिका ने आठ घंटे की शिफ्ट और 35 दिनों की शूटिंग के लिए 25 करोड़ रुपए की मांग की थी। इतना ही नहीं, उन्होंने प्रॉफिट में 10 प्रतिशत हिस्सा भी मांगा था। यह बात मेकर्स को पसंद नहीं आई और उन्होंने दीपिका को फिल्म से बाहर कर दिया। तेलुगु वेबसाइट के मुताबिक, दीपिका ने 'कल्कि 2' के मेकर्स के सामने भी वही शिफ्ट और शर्तें रख दी हैं, जिससे निर्माता अश्विनी दत्त और स्वप्ना दत्त परेशान हैं। भले ही दीपिका के हाथ से एक और फिल्म निकल सकती थी, लेकिन उन्हें अल्लू अर्जुन और एटली कुमार की अपकमिंग फिल्म में कास्ट कर लिया गया है। यह एक बड़ा प्रोजेक्ट माना जा रहा है।

2 जुलाई को ओटीटी पर आएगी प्रियंका की हेड्स ऑफ स्टेट

बालीवुड और हॉलीवुड फिल्म में अपनी खास पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ी जल्द ही हेड्स ऑफ स्टेट में दिखाई देंगी। इस फिल्म को लेकर एक अपडेट उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। प्रियंका ने कैप्शन में लिखा...शांत रहें और आगे बढ़ते रहें। 2 जुलाई को प्राइम वीडियो पर आ रही है हेड्स ऑफ स्टेट।

बता दें कि जॉन सीना के जन्मदिन पर फिल्म मेकर्स ने हेड्स ऑफ स्टेट का ट्रेलर रिलीज किया था। इसमें प्रियंका, जॉन और इदरीस एल्बा का लुक हर किसी को पसंद आया। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में अमेरिकी राष्ट्रपति विल डेरिंगर की भूमिका में जॉन और यूके के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क की भूमिका में इदरीस एल्बा नजर आएंगे। इसमें कार्ला गुगिनो, जैक क्वैड, स्टीफन रूट, सारा नाइल्स और पैडी कॉन्सिडाइन जैसे सितारे भी हैं। यह फिल्म अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में आएगी।

1971 के भारत-पाक युद्ध पर बेस्ड है अगस्त्य स्टारर 21

निर्माता दिनेश विजन के निमंत्रक दिवसबका हालिया समय काफी सफल रहा है। खासकर पिछले साल की हिट फिल्म स्त्री 2 और इस साल छावा के शानदार प्रदर्शन के बाद। अब बैनर का पूरा ध्यान अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 21 पर केंद्रित है, जिसमें अमिताभबच्चन के नाती अगस्त्य नंदा मुख्य भूमिका में हैं। अगस्त्य ने पिछले साल जोया अख्तर की द आर्चीज से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। 21 एक वॉर फिल्म है और मैडॉक इसके लिए स्काईफोर्स की तरह बड़े पैमाने पर बज क्रिएट करने की तैयारी में है। फिल्म में दिखेगी अरुण खेत्रपाल की अनसुनी गाथा सूत्रों के मुताबिक, 21 में अगस्त्य नंदा की भूमिका उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, क्योंकि यह वीर सैनिक सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की सच्ची कहानी पर आधारित है। लिएकी सच्ची कहानी पर आधारित है। युद्ध में उनकी असाधारण वीरता के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। फिल्म की शूटिंग पिछले साल जून से जारी है और मुंबई, अमृतसर व पटियाला के विभिन्न स्थानों पर इसे फिल्माया गया है। मौजूदा समय तक फिल्म लगभग पूरी शूट हो चुकी है। इस वॉर ड्रामा का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता श्रीराम राघवन कर रहे हैं, जो पहली बार इस जॉनर में कदम रख रहे हैं। यह फिल्म इसी साल 2 अक्टूबर को रिलीज होगी।

पाकिस्तानी आर्मी अफसर का रोल जयदीप निभा रहे हैं...

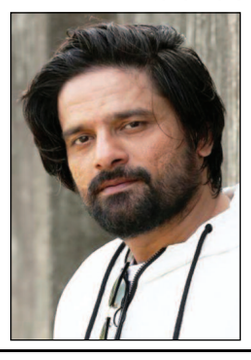

यह फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। पाकिस्तानी आर्मी अफसर का रोल जयदीप अहलावत निभा रहे हैं। फिल्म में अमृतपाल सिंह का एक्शन है, जिनकी एक और फिल्म निशानची है।

मेकर्स ने फिल्म के कुछ एक्शन सीक्वेंस फिर से शूट किए हैं...

फिल्म के मेकर्स वॉर सीक्वेंस को बेहतरीन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। इसके लिए सिनेमैटोग्राफर अनिल मेहता को हायर किया गया है। शूटिंग मार्च में पूरी हो गई थी लेकिन टीम लगातार पोस्ट-प्रोडक्शन में जुटी है। गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कुछ सीन री-शूट किए गए। मई में टीम आखिरी शेड्यूल के लिए पंजाब गई, जहां कुछ सीन फिर से लाइव लोकेशनों पर शूट किए गए, जिन्हें पहले मुंबई के स्टूडियो में शूट किया गया था लेकिन गुणवत्ता न मिलने के कारण दोबारा फिल्माना पड़ा।

कार्तिक आर्यन की फिल्म में अनन्या पांडे की भी एंट्री

कार्तिक आर्यन इन दिनों का फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान समीर विद्वांस ने संभाली है, वहीं करण जौहर इसके निर्माता हैं। अब इस फिल्म में अनन्या पांडे की भी एंट्री हो गई है। इसकी जानकारी खुद करण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर कर दी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा... हमारे रे की रूमी। करण ने जो पोस्टर साझा किया है, उसमें कार्तिक और अनन्या ही रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी अगले साल वैलेंटाइन डे से पहले रिलीज होगी। इसकी रिलीज की तारीख भी करण जौहर ने पोस्ट में शेयर की है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।